

आसली आजादी

दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik | aslizadidainikofficial
@AsliAzadiDainik

■ वर्ष: 22, अंक: 24 ■ दमण, मंगलवार 13, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

केंद्र ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि वे चिकित्सा संस्थानों में स्वास्थ्य सेवा दरों का प्रमुखता से प्रदर्शन सुनिश्चित करें

■ केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर स्वास्थ्य सेवाओं के शुल्कों के पारदर्शी प्रदर्शन से संबंधित प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया है ■ इस कदम का उद्देश्य रोगियों को स्वास्थ्य संबंधी सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाना, बिल संबंधी विवादों को रोकना और स्वास्थ्य सेवाओं में विश्वास को मजबूत करना है ■ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से यह भी आग्रह किया गया है कि वे मेडिकल और आयुष वीजा पर भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय रोगियों के लिए पैकेज दरों के पारदर्शी प्रदर्शन की सुविधा प्रदान करें

नई दिल्ली 12 अक्टूबर। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने पारदर्शिता, जवाबदेही और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य सेवा वितरण को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि वे नैदानिक प्रतिष्ठानों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं के लिए ली जाने वाली दरों को प्रमुखता से प्रदर्शित करना सुनिश्चित करें।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलीला श्रीवास्तव ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे पत्र में लागू नियामक प्रावधानों के अनुपालन की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करने का आह्वान किया है कि स्वास्थ्य सेवा शुल्क संबंधी जानकारी रोगियों और उनके परिचारकों के लिए स्पष्ट रूप से दिखाई दे और आसानी से सुलभ हो।

स्वास्थ्य सेवाओं की मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता के महत्व पर जोर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि दरों का स्पष्ट प्रदर्शन रोगियों और उनके परिवारों को उपचार की संभावित लागत को समझने, स्वास्थ्य संबंधी सूचित निर्णय लेने और अपने चिकित्सा व्यय की योजना बनाने में मदद करेगा। अधिक पारदर्शिता



से अनावश्यक भ्रम और बिल संबंधी विवादों को कम करने में भी मदद मिलेगी, साथ ही स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली में विश्वास और भरोसा बढ़ेगा। पत्र में नैदानिक प्रतिष्ठान (पंजीकरण एवं विनियमन) अधिनियम, 2010 और नैदानिक प्रतिष्ठान (केंद्रीय सरकार) नियम, 2012 का उल्लेख है, जो नैदानिक प्रतिष्ठान के लिए एक नियामक ढांचा प्रदान करते हैं। इन नियमों के तहत, उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जहां अधिनियम लागू है, नैदानिक प्रतिष्ठान को मरीजों और उनके

परिचारकों की सुविधा के लिए, प्रदान की जाने वाली प्रत्येक प्रकार की सेवा और उपलब्ध सुविधाओं के लिए ली जाने वाली दरों को स्थानीय भाषा के साथ-साथ अंग्रेजी में भी एक प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करना अनिवार्य है। जिन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह अधिनियम लागू नहीं है, वहां नैदानिक प्रतिष्ठान संबंधित राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के ढांचे के अंतर्गत विनियमित होते हैं, जिनमें से कई में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के लिए दरों के प्रदर्शन से संबंधित प्रावधान भी शामिल हैं।

यह मानते हुए कि स्वास्थ्य एक राज्य का विषय है और लागू नियामक प्रावधानों का कार्यान्वयन और प्रवर्तन संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के दायित्व में है, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने मुख्य सचिवों से संबंधित अधिकारियों के माध्यम से प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। पत्र में अंतरराष्ट्रीय मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की कीमतों में पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया गया है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अनुरोध किया गया है कि वे जहां भी लागू हो, मेडिकल

केरलम, तमिलनाडु समेत छह राज्यों को मिले नए राज्यपाल: राष्ट्रपति ने की घोषणा

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति ने सोमवार शाम छह राज्यों में नए राज्यपालों की नियुक्ति और फेरबदल को मंजूरी देते हुए अधिसूचना जारी की। इस बदलाव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता ओम प्रकाश माथुर और दुष्यंत गौतम समेत कई नाम शामिल हैं। ओम प्रकाश माथुर को केरल का नया राज्यपाल बनाया गया है, जबकि केरल के मौजूदा राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आलैंकर को तमिलनाडु भेजा गया है। एमपी के डॉ. बाल सिंह बिसेन को उत्तराखंड की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जारी सूची के मुताबिक, ओम प्रकाश माथुर इससे पहले सिक्किम के राज्यपाल की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब उनकी जगह दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। वहीं, ब्रज मोहन राम को ओडिशा और डॉ. सुधा यादव को कर्नाटक का राज्यपाल बनाया गया है। इन नियुक्तियों के तहत



छह राज्यों के संवैधानिक प्रमुखों में बदलाव किया गया है। राज्यपालों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 155 के तहत की जाती है। राज्यपाल राज्य में संवैधानिक व्यवस्था के संचालन, विधानसभा से जुड़े कार्यों और सरकार गठन जैसी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ओम

प्रकाश माथुर और दुष्यंत गौतम भाजपा के संगठनात्मक कार्यों से जुड़े रहे हैं। वहीं, राजेंद्र विश्वनाथ आलैंकर पहले भी राज्यपाल के रूप में संवैधानिक जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। नई नियुक्तियों के बाद संबंधित राज्यों में कार्यभार हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए फर्जी ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र बनवाने पर दीव पुलिस ने दर्ज की प्राथमिकी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 12 अक्टूबर। दीव पुलिस ने एक दंपति के खिलाफ अपने नाबालिग बेटे को मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के लिए धोखाधड़ी से ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र हासिल करने और उसका इस्तेमाल करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। दीव पुलिस द्वारा प्रेष विज्ञापित में बताया गया है कि, दीव के मामलतवार-सह-कार्यकारी मजिस्ट्रेट कार्यालय के अवल कारकुन रामजी करसन बामणिगा द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने

वर्षा नाथु बारिया और नाथु नारण बारिया के खिलाफ यह कार्रवाई की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं 61, 236, 237, 318(3), 336(1), 340(2) और धारा 3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। शिकायत के अनुसार वर्षा नाथु बारिया ने 28 फरवरी 2026 को आय प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करते समय एक फर्जी और छेड़छाड़ की गई सैलरी स्लिप के साथ झूठी घोषणा जमा की थी, जिसमें उन्होंने अपने परिवार की वार्षिक आय केवल 1,20,000 रुपये दिखाई

थी। इन जाली दस्तावेजों के आधार पर पहले आय प्रमाणपत्र जारी किया गया। जिसके बाद 30 मई 2026 को ओबीसी प्रमाणपत्र और 6 अगस्त 2026 को नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया। इसके बाद हुई विभागीय जांच में घोषित पारिवारिक आय और नाथु नारण बारिया की वास्तविक आय के बीच भारी विसंगति पाई गई। इस मामले में पुलिस द्वारा दस्तावेजों की गैर सैलरी स्लिप के साथ झूठी घोषणा जमा की थी, जिसमें उन्होंने अपने परिवार की वार्षिक आय केवल 1,20,000 रुपये दिखाई

दिल्ली में आयोजित हुई संसद की रसायन एवं उर्वरक स्थायी समिति की बैठक

सांसद उमेश पटेल ने दमण-दीव के जनहित के मुद्दों को उठाया



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। दमण-दीव के सांसद उमेश पटेल ने आज नई दिल्ली में आयोजित रसायन एवं उर्वरक संबंधी नवगठित संसदीय स्थायी समिति की प्रथम बैठक में भाग लेकर अपने संसदीय क्षेत्र एवं देश की आम जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को मजबूती से उठाया। सांसद उमेश पटेल ने कहा कि दमण एवं आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों में विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, नागरिकों के स्वास्थ्य और श्रमिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। सांसद उमेश पटेल ने समिति के समक्ष दमण एवं आसपास के गुजरात के वापी, भिलाड, सरीगाम, उमरगाम, सिलवासा औद्योगिक क्षेत्रों में रासायनिक प्रदूषण, खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन और उद्योगों की जवाबदेही की राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक समीक्षा करने, औद्योगिक अपशिष्ट से नदियों, समुद्र एवं

■ औद्योगिक प्रदूषण, दमणगंगा नदी की सुरक्षा, श्रमिकों के स्वास्थ्य और दवा कंपनियों की मनमानी कीमतों पर ठोस कार्रवाई की रखी मांग

भूजल और अन्य जलस्रोतों पर पड़ने वाले प्रभाव का वैज्ञानिक अध्ययन कर प्रभावी रोकथाम की नीति बनाने, रासायनिक उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, सुरक्षा उपकरणों और औद्योगिक जोखिमों से बचाव की व्यवस्था मजबूत करने, एक ही साल्ट एवं समान फॉर्मूलेशन की दवाओं के मूल्य में भारी अंतर, अत्यधिक एमआरपी और व्यापारिक मार्जिन की जांच कर मरीजों को आर्थिक शोषण से राहत दिलाई जाने, अस्पतालों में दवाईयों और मेडिकल उपकरणों की कीमतों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा एनपीपीए की प्रभावशीलता की समीक्षा की करने, दमण-दीव सहित देश के सभी क्षेत्रों में जन औषधि केंद्रों का विस्तार और आवश्यक जेनेरिक दवाओं की नियमित उपलब्धता

सुनिश्चित करने, समिति द्वारा गुजरात के वापी, भिलाड, सरीगाम, उमरगाम -दमण-दानह औद्योगिक क्षेत्रों का अध्ययन दौरा आयोजित कर पर्यावरणीय सुरक्षा, अपशिष्ट प्रबंधन और श्रमिकों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने तथा औद्योगिक विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा, खतरनाक रसायनों के सुरक्षित उपयोग और जनस्वास्थ्य संरक्षण के लिए मौजूदा नीतियों की प्रभावशीलता की समीक्षा करने की मांग रखी। सांसद उमेश पटेल ने इन विषयों को समिति की वर्ष 2026-27 की अध्ययन कार्ययोजना में प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि दमण-दीव से जुड़े महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दों को समिति की कार्यवाही में स्थान मिला है। उन्होंने कहा कि हम औद्योगिक विकास के विरोधी नहीं

हैं, लेकिन ऐसा विकास स्वीकार नहीं किया जा सकता जो हमारी नदियों एवं समुद्र को प्रदूषित करे, श्रमिकों के स्वास्थ्य को खतरे में डाले और आम नागरिकों के जीवन को प्रभावित करे। इसी प्रकार दवाइयों के नाम पर मरीजों की मजबूरी का आर्थिक लाभ उठाना भी गंभीर चिंता का विषय है। सांसद उमेश पटेल ने आगे कहा कि दमण एवं दीव की जनता का स्वास्थ्य, स्वच्छ पर्यावरण, सुरक्षित जलस्रोत, श्रमिकों के अधिकार और हर परिवार को सस्ता एवं गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दमण-दीव की जनता की आवाज को संसद के हर उचित मंच पर पूरी मजबूती से उठाना और समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रयास करना मेरी प्रतिबद्धता है।

दमण-तीन बत्ती की सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी में नवरात्रि महोत्सव की धूम:सिंपल काटेला ने मां अंबे की आरती उतारकर शुरू कराया गरबा

■ पिछले कई वर्षों से सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी स्थित जलाराम बापा मंदिर प्रांगण में नवरात्रि महोत्सव का होता है आयोजन ■ दामिनी वुमेंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन और काउंसिलर सिंपल काटेला एवं उनकी टीम द्वारा किया जाता है नवरात्रि महोत्सव, हर वर्ष बेहतरीन गरबा खेलैयाओं को प्रतिदिन किया जाता है पुरस्कृत



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। दमण के तीन बत्ती विस्तार स्थित सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी में नवरात्रि महोत्सव की धूम मची हुई है। 11 अक्टूबर से इस बार नवरात्रि का शुभारंभ हुआ है। तीन बत्ती के सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी स्थित जलाराम बापा मंदिर प्रांगण में नवरात्रि महोत्सव का आयोजन

किया गया है। दामिनी वुमेंस फाउंडेशन चेयरपर्सन एवं काउंसिलर सिंपल काटेला एवं उनकी टीम द्वारा भव्य नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया है। सिंपल काटेला ने अन्य अतिथियों के साथ मां अंबे की आरती उतारकर गरबा का शुभारंभ कराया। सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी के नवरात्रि महोत्सव में

हर वर्ष बड़ी संख्या में रास-गरबा खेलैया पारंपरिक परिधान में सज होकर पहुंचते हैं और गरबा खेलते हैं। खेलैया भी डीजे के धुन पर मस्ती में गरबा खेलते हैं और नवरात्रि महोत्सव का आनंद उठाते हैं। नवरात्रि महोत्सव आयोजकों की ओर से गरबा खेलैयाओं का उत्साह बढ़ाने के लिए प्रतिदिन आकर्षक पुरस्कार

देकर प्रोत्साहित किया जाता है। नवरात्रि महोत्सव को सफल बनाने के लिए सिंपल काटेला एवं उनकी पूरी टीम जी-जान से मेहनत करती है। सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किये जाते हैं। दमण के सर्वोदय हाउसिंग सोसायटी का नवरात्रि महोत्सव देखने के लिए लोगों की भीड़ भी जुटती है।

ठाकरे बंधुओं समेत 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों पर एफआईआर

मुंबई(एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने शिवाजी पार्क में बिना अनुमति विरोध प्रदर्शन करने के मामले में शिवसेना (युबीटी) नेता आदित्य ठाकरे, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) नेता अमित ठाकरे और 300 से अधिक प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत यह कार्रवाई की है। इस मामले में विधायक वरुण सरदेसाई, महेश सावंत, अनिल परब, सुनील प्रभु और मनसे नेता संदीप देशपांडे समेत कई पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। पुलिस ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, कि प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति प्रदर्शन किया और आम लोगों को परेशानी हुई। आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे पर प्रदर्शनकारियों को ले जा रही पुलिस वैन रोकने तथा सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप भी है। पुलिस ने संबंधित नेताओं को बयान दर्ज करने के लिए नोटिस भेजे हैं। इस घटनाक्रम के बाद आदित्य ठाकरे ने आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता की साड़ी फट गई। आदित्य ने मुंबई के लोगों से शिवाजी पार्क पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आसमानी बिजली गिरने से युवक की मौत, दो घायल

माधोपुर/पठानकोट (एजेंसी)। पंजाब के पठानकोट जिले में माधोपुर-शाहपुरकंडी सड़क पर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास खेतों में काम कर रहे मजदूरों पर आसमानी बिजली गिरने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। हादसा देर शाम हुआ। जानकारी के अनुसार, अलग-अलग राज्यों से आए मजदूर पावर हाउस के निर्माण स्थल के पास काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक आसमानी बिजली गिरने से तीन युवक उसकी चपेट में आ गए। हादसे में विशाल (21) की मौके पर ही मौत हो गई। वह उत्तर प्रदेश के उरई जिले के अवधाना का निवासी था। घायलों की पहचान जितेंद्र उर्फ जितन (19), निवासी शाहपुरकंडी, और गगन (17), निवासी जुगियाल कॉलोनी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलने पर संबंधित अधिकारी और पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद मजदूरों में शोक का माहौल है।

कांग्रेस सांसद पर यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर बांसुरी स्वराज ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में विपक्ष के मार्च के बीच भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस सांसद बिमोल अकोइजाम के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाकर कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधा। उन्होंने सांसद पर लगे कथित यौन उत्पीड़न के आरोपों का हवाला देकर राहुल गांधी और कांग्रेस के महिला अधिकारों से जुड़े बयानों पर सवाल खड़े किए। बीजेपी सांसद स्वराज ने कहा कि कांग्रेस 'लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ' जैसे कैपेन चलाती है, लेकिन जेएनयू के 11 छात्रों की शिकायतों पर पार्टी की ओर से अभी तक आवाज नहीं उठाई गई। उन्होंने सवाल किया कि क्या छात्रों की आवाज कांग्रेस के लिए केवल राजनीतिक कार्यक्रमों तक सीमित है। भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की पितृसत्ता को नष्ट करो' संबंधी टिप्पणी का जिक्र कर कहा कि महिलाओं के अधिकारों की बात केवल नारों और सोशल मीडिया हैशटैग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उनके मुताबिक, जब जवाबदेही की बात आती है, तब कांग्रेस का रवैया अलग दिखाता है। भाजपा सांसद स्वराज ने दावा किया कि वर्ष 2024 में 11 छात्रों ने कांग्रेस नेता अकोइजाम के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतें दर्ज कराई थीं। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेनयू) में यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की जांच के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न अधिनियम (पॉश) के तहत आंतरिक समिति गठित की गई थी। उन्होंने अकोइजाम के खिलाफ विश्वविद्यालय की कार्रवाई का भी उल्लेख किया। बांसुरी स्वराज ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड़ा, मल्लिकार्जुन खरगे और सोनिया गांधी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

मेरा बाप सब संभाल लेगा कहकर कुचल दिये तीन छात्र, मौत

कोच्चि (एजेंसी)। केरल के नेदुंबसेरी में हुए एक दिल दहला देने वाले सड़क हादसे ने न सिर्फ तीन मासूम छात्रों की जान ले ली, बल्कि बेलगाम रसूख और संवेदनहीन लापरवाही का एक चौकाने वाला चेहरा भी उजागर कर दिया है। कोच्चि के पास हुए इस हादसे में एक तेज रफ्तार मिनी कुपर ने दोपहिया वाहन पर सवार तीन छात्रों को टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद, आरोपी ड्राइवर के कथित बेवोधि गुरुर ने स्थानीय लोगों को सस्ब कर दिया। चरमदर्द सलीम ने इस दर्दनाक मंजर को बयां करते हुए बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि आसपास मौजूद लोग दहल गए और तुरंत घायलों की मदद के लिए दौड़ पड़े। सलीम के मुताबिक, जब एम्बुसीडेंट हुआ, तो मैं पास में ही खड़ा था। जोर की आवाज आई, और हम सब यह देखने के लिए मौके पर दौड़े कि कुछ हुआ तो नहीं। सड़क पर तीन लोग घायल हो गए थे।

राहुल पर चुप्पी साधकर मोदी संग मेट्रो में सफर करते रहे सीएम विजय

- तमिलनाडु में टीवीके की अनूठी राजनीति

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने अपनी राजनीति को केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जुड़े राजनीतिक विवादों से लगातार दूर रखा है। हाल ही में दिल्ली में राहुल गांधी को हिरासत को लेकर विपक्षी दलों के तीव्र विरोध के बावजूद, उनकी चुप्पी ने ध्यान आकर्षित किया। इस घटना के महज दो दिन बाद, मुख्यमंत्री विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मेट्रो में सफर करते और मंदिर दर्शन करते नजर आए, जो उनकी सतुलित राजनीतिक रणनीति का स्पष्ट संकेत है।दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च के दौरान राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया था। इस पर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार के खिलाफ तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की, लेकिन तमिलनाडु में सत्ताधारी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी होने के बावजूद, मुख्यमंत्री विजय ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा। प्रधानमंत्री मोदी रविवार को चेन्नई दौरे पर थे। मुख्यमंत्री विजय ने एयरपोर्ट पर पहुंचकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दिलचस्प



बात यह है कि इससे ठीक एक दिन पहले, राहुल गांधी भी चेन्नई पहुंचे थे और मुख्यमंत्री विजय ने अपने आवास पर उनका स्वागत व दोपहर के भोजन का आयोजन किया था। 24 घंटे के भीतर ही प्रधानमंत्री मोदी का चेन्नई पहुंचना और मुख्यमंत्री विजय द्वारा उनका गर्मजोशी से स्वागत करना, कई राजनीतिक कयासों को जन्म दे गया।मेट्रो प्रोजेक्ट के उद्घाटन के बाद, दोनों नेता आईआईटी मद्रास भी गए, जहां उनके साथ सीएम विजय भी

मौजूद थे। इसके बाद वे जलकंडेक्षार मंदिर में भी साथ दिखे। आधिकारिक कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री के साथ विजय का शामिल होना सामान्य है, लेकिन मंदिर में उनकी मौजूदगी ने सियासी गलियारों में विशेष चर्चा खड़े दी है। इसे प्रोटोकॉल से हटकर देखा जा रहा है, खासकर तब जब विजय विपक्षी दलों के साथ गठबंधन में हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री के साथ मंदिर जाने के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं।

शुक्रवार को राहुल गांधी के चेन्नई पहुंचने पर भी मुख्यमंत्री विजय का कार्यक्रम शुरू में स्पष्ट नहीं था। यह भी पता नहीं था कि राहुल गांधी का उनके साथ दोपहर का भोजन होगा या नहीं। कांग्रेस के हलकों में भी यह माना गया कि यदि मुख्यमंत्री विजय स्वयं आगे नहीं बढ़ते, तो उन पर दबाव डालना उचित नहीं होगा। अंततः, विजय ने राहुल गांधी को अपने घर पर आमंत्रित किया और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। इस पूरे घटनाक्रम पर जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री विजय अनावश्यक राजनीतिक बयानबाजी या विवाद में पड़े अपना काम करना चाहते हैं। उनका उद्देश्य राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से बेहतर तालमेल बनाए रखना है, साथ ही अपनी सरकार को स्थिर रखने के लिए गठबंधन सहयोगियों के साथ भी सामंजस्य स्थापित करना है। इसी कारण विजय ने न तो राहुल गांधी की अनदेखी की और न ही प्रधानमंत्री मोदी के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होने से इनकार किया, बल्कि दोनों के साथ एक संतुलन बनाए रखा।

बीजेपी पंचायत चुनाव में भी प्रशासन-पुलिस का दुरुपयोग दोहराएगी: अशोक गहलोत



जयपुर, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। गहलोत ने चेतावनी दी कि बीजेपी चुनावों में "पुलिस और प्रशासन का दुरुपयोग दोहराएगी।" राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 22 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चार चरणों में होने वाले हैं। गहलोत ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि शहरी निकाय चुनावों की तरह बीजेपी पंचायती राज चुनावों में भी प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग निश्चित रूप से दोहराएगी। हमें लोगों को साथ लेकर इस बेईमानी का मुकाबला करना होगा। उन्होंने दावा किया कि अनियमितताओं के बावजूद कांग्रेस ने शहरी निकाय चुनावों में अच्छे प्रदर्शन किया और उसे बीजेपी के

करीब बराबर वोट मिले। गहलोत ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से ग्रामीण इलाकों में मजबूत रही है और इसलिए पार्टी चुनाव जीतीगी। गहलोत ने कहा कि ये चुनाव पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। यह हम सभी की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि मैं जनप्रतिनिधियों से फोन पर बात भी कर रहा हूँ और कई साथियों से पहले ही बात कर चुका हूँ। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांवों का दौरा करने, लोगों के बीच रहने और बीजेपी की उन गतिविधियों को उजागर करने का आग्रह किया, जिन्हें उन्होंने अलोकतांत्रिक बताया। गहलोत ने कहा कि जब लोग हमारे साथ होते हैं, तो कोई भी प्रशासन या पुलिस उनसे उनका जनदेश नहीं छिन सकती।

मंत्री आठवले बोले- प्रधान का इस्तीफा ले लिया, ज्ञानेश को छोड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन न करने की सलाह कॉन्करोच जनता पार्टी (सीजेपी) को दी है। उन्होंने सीजेपी से छात्रों से जुड़े मुद्दों पर आंदोलन करने का आग्रह किया, वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्ष पर अराजकता फैलाने का आरोप भी लगाया। एक बयान में आठवले ने कहा कि सीजेपी को ज्ञानेश कुमार के मामले में पड़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि सीजेपी का गठन नीट तरीका में हुए पेपर लोक के विरोध में हुआ था और उनकी मांगें, जिनमें तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी शामिल था, पूरी हो चुकी हैं। आठवले ने जोर दिया कि सीजेपी को छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा नीति, परीक्षा प्रणाली और इससे संबंधित अन्य कारणों पर आंदोलन करना चाहिए, कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर। केंद्रीय मंत्री मुख्य चुनाव आयुक्त का बचाव करते हुए स्पष्ट किया कि जिन 13 करोड़ वोटों को काटा गया है, उनमें से 6 करोड़ ऐसे मतदाता हैं



जिनका स्थानांतरण हुआ है, यानी वे नौकरी या व्यवसाय के लिए एक जगह से दूसरी जगह गए हैं। उन्होंने बताया कि 1 करोड़ मतदाताओं के नाम दो जगहों पर थे, जिनमें से एक नाम हटाया गया, जबकि लगभग 3 करोड़ लोग लापता थे। आठवले ने जोर देकर कहा कि यह वोट चोरी नहीं है। राहुल गांधी के वोट चोरी संबंधी आरोपों पर गहलोत ने सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या राहुल गांधी अपने चुनाव क्षेत्र में अपनी पार्टी के सीटों की संख्या बढ़ने पर उसे वोट चोरी कहेंगे। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस को सत्ता मिली थी, तब क्या वे भी वोट चोरी करते थे? आठवले ने चुनाव आयुक्त के

इस्तीफे की मांग को बेबुनियाद बताया हुए विपक्ष पर जानबूझकर अराजकता को निमंत्रण देने और लोगों को परेशान करने का आरोप लगाया। यह पहली बार नहीं है जब आठवले ने सीजेपी को चेताया हो। 3 अक्टूबर को भी उन्होंने सीजेपी के अभिजीत दीपके को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री फडणवीस के खिलाफ आपत्तिजनक बयानबाजी बंद करने की चेतावनी दी थी। इस बीच, राजधानी दिल्ली में बड़े विरोध प्रदर्शनों की आशंका है। कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का ऐलान किया है और देशभर से कार्यकर्ताओं को दिल्ली बुलाया है।

ध्रुव राठी बोले- मेरा सीजेपी से कोई संबंध नहीं, ज्ञानेश के खिलाफ प्रदर्शन में हुए थे शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। यूट्यूबर ध्रुव राठी ने कॉन्करोच जनता पार्टी (सीजेपी) से अपना कोई रिश्ता होने से इनकार किया है, जबकि वह देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उसके आंदोलन में शामिल हुए। विदेश में रहकर भारतीय राजनीति और सरकार की आलोचना के लिए जाने जाने वाले राठी ने कहा कि वह व्यक्तिगत तौर पर इस प्रदर्शन में शामिल होने आए थे, उनका सीजेपी से किसी तरह का जुड़ाव नहीं है। यूट्यूब पर करीब 40 मिलियन सब्सक्राइबर्स वाले ध्रुव राठी को सीजेपी नेताओं अभिजीत दीपके और सौरभ दास का दोस्त बताया जाता है। नीट पेपर लोक के खिलाफ जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के पहले आंदोलन के दौरान

भी वह अक्सर अभिजीत दीपके के साथ वीडियो कॉल पर बातचीत करते हुए दिखते थे। अब ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे आंदोलन में उन्होंने खुद भी शामिल होने का फैसला किया। बेंगलुरु में 8 अक्टूबर को आयोजित प्रदर्शन से ठीक पहले भारत आए ध्रुव राठी ने उस दिन मंच से भाषण भी दिया और स्पेशल इंटरसिव रिवीजन (एसआईआर) के जरिए वोट चोरी के आरोप लगाए। राठी 10 अक्टूबर को सीजेपी की ओर से दिल्ली में घोषित प्रदर्शन में भी हिस्सा लेना चाहते थे। वह इसके लिए दिल्ली पहुंच भी गए थे। शुक्रवार शाम वह इंडिया गेट गए और वहां से एक वीडियो बनाकर प्रदर्शन में आए हुए कहा, मैं यहां व्यक्तिगत तौर पर आया हूँ। मैं ऐसा नहीं कि सीजेपी से

अभिजीत दीपके को सुबह ही उनके गुरुग्राम स्थित घर से हिरासत में ले लिया गया। उसी दिन ध्रुव राठी को भी दिल्ली में हिरासत में ले लिया गया। 20 से अधिक घंटे तक हिरासत में रहने के बाद छोड़े गए ध्रुव राठी ने बाद में आरोप लगाया कि पुलिस उन्हें घसीटकर बेडरूम से ले गई और इस दौरान उन्हें चोटें भी आईं। ध्रुव राठी भले ही पहले धर्मेन्द्र प्रधान और अब ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर सीजेपी के साथ खड़े दिख रहे हैं, लेकिन उन्होंने सीजेपी से किसी तरह के जुड़ाव या रिश्ते से इनकार किया है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सीजेपी में कोई पद नहीं रखते हैं। राठी ने अपनी भूमिका साफ करते हुए कहा, मैं यहां व्यक्तिगत तौर पर आया हूँ। मैं ऐसा नहीं कि सीजेपी से

कोई जुड़ाव हूँ या कुछ (पदाधिकारी) हूँ। मैं व्यक्तिगत क्षमता से आया हूँ, जैसे देश में लाखों लोग प्रोटेस्ट कर रहे हैं, उन्हीं की तरह। राठी ने कहा कि वह खासतौर पर इस प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए ही भारत आए हैं। राठी ने कहा, इलेक्शन कमीशन न्यूट्रल होना चाहिए। वोट चोरी बहुत गंभीर मुद्दा है, इसके बिना लोकतंत्र का अस्तित्व नहीं हो सकता है। अगर वोट इस तरह चुराए जा रहे तो यह लोकतांत्रिक देश नहीं है। यह डिक्टेटरशिप की ओर बहुत ज्यादा नीचे गिर चुका है। मैंने हमेशा कहा है कि यह स्पेक्ट्रम है। यह मत कहो कि 100 पैसेट डिक्टेटरशिप है या 100 पैसेट डेमोक्रेसी है। 2014 में हम जहां थे वहां से (डिक्टेटरशिप के) बहुत करीब आते जा रहे हैं।



अमृतसर एयरपोर्ट पर संदिग्ध झोन गतिविधि, उड़ानें प्रभावित

-तीन उड़ानें डायवर्ट, कुछ देर रोका गया रनवे ऑपरेशन

अमृतसर (एजेंसी)। रविवार देर रात पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर संदिग्ध झोन गतिविधि सामने आने से हड़कंप मच गया। सुरक्षा कारणों से तीन उड़ानों का मार्ग बदलना पड़ा, जिसके बाद एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। जानकारी के अनुसार, रविवार रात करीब 9:30 बजे एयरपोर्ट पर तैनात केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने अत्यधिक ऊंचाई पर उड़ती दो-तीन अज्ञात वस्तुओं को देखा। इनकी गतिविधि संदिग्ध लगने पर तुरंत कंट्रोल रूम को सूचित किया गया, जिसके बाद एहतियाती तौर पर हवाई यातायात को अस्थायी रूप से प्रभावित किया गया। संदिग्ध झोन गतिविधि के चलते अमृतसर आने वाली तीन उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की ओर मोड़ दिया गया। इनमें दिल्ली से आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई-855 को वापस दिल्ली, मुंबई से आ रही इंडिगो की उड़ान 6ई-5028 को चंडीगढ़, और कुआलालंपुर से आ रही मलेशिया एयरलाइंस की उड़ान एमएच-118 को दिल्ली डायवर्ट किया गया। सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा और आवश्यक जांच के बाद हवाई अड्डे का संचालन सामान्य कर दिया गया। अधिकारी अब इन झोन जैसी दिखने वाली वस्तुओं की प्रकृति और उनकी गतिविधियों की जांच कर रहे हैं। अगस्त में भी इसी तरह की घटना के बाद एक बार फिर एयरपोर्ट की सुरक्षा और हवाई यातायात को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

लखनऊ में एक कार्यक्रम में की जाएगी, जहां वे अपने समर्थकों के साथ सभा में शामिल होंगे। धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी कीर्ति कश्यप को बिथरी चैनपुर सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा पहले ही जता चुके हैं, और उनकी अखिलेश यादव से मुलाकात को इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। बरेली की सियासत में हलचल उस वक्त और तेज हो गई, जब सपा के वरिष्ठ नेता वीरपाल सिंह यादव को आंवला विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया।

माना जा रहा है कि वीरपाल अपने बेटे डॉ. देवेन्द्र यादव के लिए बिथरी चैनपुर सीट से टिकट की पैरवी कर रहे थे, लेकिन इसी सीट पर धर्मेन्द्र कश्यप अपनी बेटी के लिए दावेदारी पेश कर रहे हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए ही सपा प्रमुख ने वीरपाल सिंह यादव और पूर्व मंत्री भगवत शरण गंगवार को लखनऊ बुलाकर समझौते पर चर्चा की। चर्चा के बाद वीरपाल को आंवला की जिम्मेदारी सौंप दी गई, जिसे उनकी राजनीतिक भूमिका के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

राहुल गांधी के आरोपों पर शिवराज का पलटवार, अराजकता फैलाकर सत्ता पाना चाहती है कांग्रेस

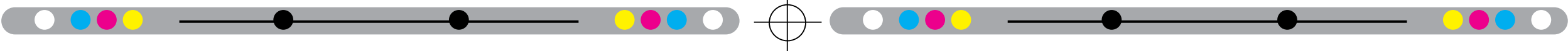
-कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कठपुतली

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलकर आरोप लगाया कि पार्टी सत्ता हासिल करने के लिए देश में अराजकता फैलाने और सवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को कमजोर करने में जुटी है। उन्होंने कांग्रेस को गुंडों का समूह बताकर कहा कि पार्टी सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर व्यवस्था को चुनौती देना चाहती है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अब विदेशी ताकतों के हाथों की कठपुतली बन गई है और सत्ता के लिए विभिन्न संगठनों तथा देशविरोधी ताकतों का सहारा ले रही है। बीजेपी नेता चौहान ने कांग्रेस की लगातार चुनौती हार के लिए उसके नेतृत्व को सीधे जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि चुनाव हारने के बाद संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप



लगाता कांग्रेस की पुरानी आदत है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग को दोष देने के बजाय पार्टी को अपने नेतृत्व की कमजोरियों और आंतरिक कलह पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसकी समस्याओं को समझने में विफल रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने दावा किया कि कांग्रेस ओडिशा में 26 साल,

नागालैंड में 23 साल, गोवा में 15 साल और दिल्ली में 13 साल से सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में कांग्रेस एआईएडीएमके, बिहार में आरजेडी, ध्यान देना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश, पंजाब और अन्य राज्यों में कांग्रेस के भीतर जारी मतभेदों का जिक्र कर कहा कि पार्टी का नेतृत्व देश की जनता और उसके अनुसर, कांग्रेस कई राज्यों में छोटी सहयोगी पार्टी बनकर रह गई है।



जंतर-मंतर नहीं रहा धरना-प्रदर्शन स्थल, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने तय किए 3 स्थान

नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में धरना-प्रदर्शन को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बड़ा फैसला ले लिया है। अब जंतर-मंतर प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थलों की सूची से बाहर हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की समिति की सिफारिशों के आधार पर नई दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के लिए 3 नए स्थान तय किए हैं। इसमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबीडी मैदान शामिल हैं। जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में निर्धारित करने वाली अधिसूचना रद्द की गई है। जंतर-मंतर बोते करीब 33 सालों से दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बना रहा है। यहां राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न



मुद्दों पर आवाज उठाने वाले लोगों ने समय-समय पर धरने और प्रदर्शन किए हैं। इसके पहले नई दिल्ली में इंडिया गेट स्थित बोट क्लब भी प्रदर्शन स्थल के रूप में इस्तेमाल होता था। केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले के पीछे जंतर-मंतर के विकल्प तलाशने के लिए गठित समिति की सिफारिशें मानी

गई हैं। समिति ने दिल्ली में विभिन्न स्थानों का निरीक्षण करने के बाद अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। इसी के आधार पर नए प्रदर्शन स्थलों को निर्धारित करने और जंतर-मंतर को सूची से हटाने का निर्णय हुआ है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस के आदेश में 28 अप्रैल 2022 को जारी पुराने

स्टैंडिंग ऑर्डर में बदलाव किया है। नई व्यवस्था का उद्देश्य धरना-प्रदर्शन के लिए निर्धारित स्थानों और उनसे जुड़ी संबंधित व्यवस्थाओं को स्पष्ट करना है। हालांकि, प्रदर्शन आयोजित करने की अनुमति, प्रतिभागियों की संख्या और अन्य शर्तों को लेकर विस्तृत जानकारी अभी अलग से जारी होने वाली मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में सामने आएगी। इसके जारी होने के बाद ही नई व्यवस्था के तहत प्रदर्शन की अनुमति देने और आयोजन से जुड़े नियमों की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी। जंतर-मंतर को सूची से हटाने का फैसला दिल्ली में विरोध-प्रदर्शनों के आयोजन की व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

राहुल गांधी बोले- शिवजी की बारात है विपक्ष का मार्च, कोई भी हो सकता है शामिल

■ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान, सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेंगे याचिका

नई दिल्ली, (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन को संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, जिसमें कोई भी शामिल हो सकता है। यह किसी एक नेता या पार्टी की लड़ाई नहीं, बल्कि देश के युवाओं के भविष्य, सम्मान और संविधान की रक्षा का अभियान है। राहुल ने स्पष्ट किया कि जब तक न्याय नहीं मिलेगा, विपक्ष पीछे नहीं हटेगा और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे तक प्रदर्शन जारी रहेगा। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने 'चलो दिल्ली', मार्च फॉर डेमोक्रेसी' के तहत सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने का ऐलान किया। मार्च से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष के नेता अदालत में याचिका भी दाखिल करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर मुख्य न्यायाधीश विपक्षी नेताओं से नहीं मिलना चाहते तो वे अपनी बात याचिका के माध्यम से अदालत के सामने रखेंगे। दिल्ली को जेल में तब्दील करने

का आरोप राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दिल्ली को जेल में तब्दील कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस बल तैनात किया जा रहा है और आवागमन पर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करने वालों को रोका क्यों जा रहा है। राहुल ने आरोप लगाया कि सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को बचा रही है और सरकार जितना उन्हें बचाने की कोशिश करेगी, विपक्ष उतने ही सवाल उठाएगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष पहले चुनाव आयोग जाने के लिए निकला था, लेकिन उसे रोककर बसों में बंटा दिया गया। इसके बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी गई। राहुल के मुताबिक, वहां भी प्रदर्शनकारियों को रोका गया और राजघाट पर भी उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। अब विपक्ष अपनी बात सुप्रीम कोर्ट के सामने रखने जा रहा है। युवाओं से समर्थन की अपील राहुल गांधी ने देश के युवाओं से मार्च में शामिल होने की अपील



करते हुए कहा कि यह उनके भविष्य और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि जो लोग मार्च में शामिल नहीं हो सकते, वे दोपहर तीन बजे सुप्रीम कोर्ट के सामने अपने तरीके से समर्थन जता सकते हैं। राहुल ने कहा कि आंदोलन एक-दो दिन का नहीं है। इसमें एक महीना, दो महीने या एक साल भी लग सकता है, लेकिन विपक्ष न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रखेगा। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए और दावा किया कि पुलिसकर्मियों के बीच भी इस बात को लेकर असंतोष है कि युवाओं को क्यों रोका जा रहा है। आंदोलन शांतिपूर्ण रहेगा राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का

उद्देश्य किसी व्यक्ति या सरकार से व्यक्तिगत लड़ाई लड़ना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों और संविधान की रक्षा करना है। उन्होंने दोहराया कि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से जारी रहेगा और विपक्ष अपनी मांगों को अदालत तक पहुंचाएगा। उन्होंने कहा- पुलिस वाले भी डिस्टर्ब हैं। ये सवाल करते हुए कहते हैं कि हमसे युवाओं को क्यों पिटवाया जा रहा है। उनसे युवाओं को रोकने को कहा जा रहा है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के बारे में हर जानकारी मिल रही, जिसमें बताया जा रहा कि वो रात को सो नहीं पाते। अब आपको हम छोड़ेंगे नहीं।

दानह जोन स्तरीय विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी 2026-27 का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 12 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के शिक्षा विभाग तथा समग्र शिक्षा के तत्वावधान में सीपीएस दादरा में दादरा जोन की दानह जोन स्तरीय विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता 2026-27 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस प्रतियोगिता में दादरा क्लस्टर, नरोली क्लस्टर एवं अथोला क्लस्टर की विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, रचनात्मकता एवं विषयगत ज्ञान का प्रदर्शन किया। विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन विषय में सीपीएस नरोली गुजराती माध्यम ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सीपीएस दादरा अंग्रेजी माध्यम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। स्वास्थ्य और रोजमर्रा की विज्ञान विषय में सीपीएस नरोली अंग्रेजी माध्यम ने प्रथम स्थान तथा प्राथमिक विद्यालय देमणी ने द्वितीय स्थान

प्राप्त किया। सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी के अंतर्गत डिजिटल इंडिया: समावेशी और सुरक्षित डिजिटल समाज विषय में सीपीएस नरोली गुजराती माध्यम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सीपीएस दादरा अंग्रेजी माध्यम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर बीआरसी को-ऑर्डिनेटर अल्लारखा वोहरा, बीआरपी अंबरीश फूलचंद, सीआरसी को-ऑर्डिनेटर स्वीटी काटेकर, हिरल सोलंकी, जिजा राठोड, आचार्य दिनेशपटेल, डिपल सोलंकी सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा के



उपयोग, डिजिटल जागरूकता तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना था। इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, समस्या समाधान की क्षमता, रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देती हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी विद्यालयों, विद्यार्थियों एवं

मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी गई। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। इस प्रदर्शनी को सफल बनाने में केंद्र शाला दादरा हेड मास्टर दिनेश पटेल तथा स्टाफ मेंबर का अच्छा सहयोग मिला।

गरबा के रंग में रंगे विदेशी मेहमान, वडोदरा की सांस्कृतिक विरासत ने किया मंत्रमुग्ध

■वडोदरा इंटरनेशनल गरबा फेस्टिवल-2026 में उमड़ा आस्था और उत्साह का सैलाब ■लक्ष्मी विलास पैलेस से नवलखी मैदान तक गुंजे गरबे के सुर, विदेशी प्रतिनिधियों ने भी थिरककर लिया उत्सव का आनंद

वडोदरा (ईएमएस)। गुजरात की सांस्कृतिक विरासत और भक्ति की अनूठी छटा ने विदेशी राजनयिकों और प्रतिनिधिमंडल का दिल जीत लिया। विश्वविख्यात गरबा महोत्सव में हजारों खेलैयाओं के एक साथ थिरकने, पारंपरिक संगीत की गूंज और मां आद्यशक्ति की आराधना से ऐसा माहौल बना कि विदेशी मेहमान भी खुद को गरबा खेलने से नहीं रोक सके। वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी के नेतृत्व में आयोजित 'वडोदरा इंटरनेशनल गरबा फेस्टिवल-2026' में विदेशी मेहमानों ने गुजरात की समृद्ध परंपरा को करीब से महसूस किया। * लक्ष्मी विलास पैलेस में आरती, नवलखी मैदान में गरबे की धूम महोत्सव का प्रमुख आकर्षण लक्ष्मी विलास पैलेस में मां आद्यशक्ति की आरती और पारंपरिक गरबा रहा। माता की आराधना के साथ शुरू हुए आयोजन में खेलैयाओं ने पूरे उत्साह के साथ गरबा किया। पारंपरिक वेशभूषा, संगीत की लय और भक्तिमय वातावरण ने विदेशी प्रतिनिधियों को खासा

प्रभावित किया। गरबा मैदान में उमड़ा उत्साह को देखकर विदेशी मेहमान भी मंदिर परिसर में गरबा खेलने लगे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने नवलखी मैदान में आयोजित वडोदरा नवरात्रि महोत्सव में शिरकत की। यहां हजारों लोगों को एक साथ गरबा करते देख विदेशी मेहमान गुजरात की सामूहिक उत्सव परंपरा से रूबरू हुए। मैदान में गुंजते गरबे के सुर और खेलैयाओं का जोश आयोजन को यादगार बना रहे थे। * स्वीडन की पूर्व सांसद बोली - संगीत और परंपरा ने मोहा मन स्वीडिश सांसद की पूर्व सदस्य पेनेलोप ने गरबा महोत्सव का आनंद लेने के बाद गुजरात की सांस्कृतिक समृद्धि की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां का संगीत, नृत्य, पारंपरिक परिधान और लोगों का उत्साह उन्हें मंत्रमुग्ध कर गया। उन्होंने गुजरात की परंपरा, कला और संस्कृति के साथ आधुनिक उद्योगों तथा भविष्य के विकास के समन्वय की भी प्रशंसा की। उनके मुताबिक, वडोदरा में परंपरा और आधुनिकता का मेल शहर के अनुभव को खास बनाता है।



* उरुग्वे के अल्वर्टो ने बताया अनूठी परंपरा उरुग्वे के अल्वर्टो ने भी गरबा की भव्यता और वैश्विक आकर्षण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गरबा दुनिया की अनूठी और भव्य सांस्कृतिक परंपराओं में से एक है। भारत के गतिशील राज्यों में शामिल गुजरात में इस तरह के आयोजन को देखकर उन्हें खुशी हुई। उन्होंने कहा कि ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियों पर हर व्यक्ति को गर्व और खुशी महसूस करनी चाहिए। * भक्ति, संस्कृति और एकता का वैश्विक मंच बना गरबा वडोदरा का गरबा महोत्सव केवल नृत्य और संगीत का आयोजन नहीं, बल्कि गुजरात की धार्मिक

आस्था, सांस्कृतिक पहचान और सामूहिक एकता का प्रतीक बनकर उभरा। एक ओर मां आद्यशक्ति की आराधना, तो दूसरी ओर हजारों खेलैयाओं का एक साथ थिरकना इस अनूठे संगम ने विदेशी मेहमानों को भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक दिखाई। विदेशी प्रतिनिधियों के लिए यह अनुभव केवल गरबा देखने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें शामिल होकर गुजरात की परंपरा को महसूस करने का अवसर भी बना। लक्ष्मी विलास पैलेस से नवलखी मैदान तक गरबे की गूंज ने वडोदरा की सांस्कृतिक पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई चमक दी।

रेलवे का अलर्ट: निर्माण कार्य के चलते 250 से अधिक ट्रेनें प्रभावित

नई दिल्ली (ईएमएस)। अगर आप आगामी दिनों में ट्रेन से यात्रा करने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। रेलवे ने राजस्थान के लोहारू-परवेडपुर रेलखंड पर जारी निर्माण कार्य के चलते 250 से अधिक ट्रेनों को रद्द कर दिया है या उनके मार्ग में बदलाव किया है। विशेष रूप से 14 अक्टूबर को कई ट्रेनें प्रभावित रहेंगी, लेकिन 13 अक्टूबर को भी कुछ ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ट्रेनों की स्थिति अवश्य जांच लें ताकि किसी भी

तरह की असुविधा से बचा जा सके। रेलवे ने जानकारी दी है कि यह बदलाव ट्रेक के उन्नयन और सुरक्षा संबंधी कार्यों के लिए किया गया है। इस निर्माण कार्य के चलते जहां कुछ ट्रेनों को पूरी तरह रद्द किया गया है, वहीं कुछ ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जा रहा है। यात्रियों की सुरक्षा और सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाना अनिवार्य था। इन ट्रेनों के मार्ग बदले गए रेलवे ने कुछ ट्रेनों के मार्ग में अस्थायी बदलाव किया है। 13 अक्टूबर को ट्रेन नंबर 19807 कोटा-सिरसा अपने बदले हुए

मार्ग से चलेगी। इसी प्रकार, 14 अक्टूबर को ट्रेन नंबर 14709 हनुमानगढ़-जयपुर, ट्रेन नंबर 14714 दिल्ली सराय-सीकर, ट्रेन नंबर 54310 हिसार-दिल्ली, ट्रेन नंबर 54309 दिल्ली-हिसार और ट्रेन नंबर 22421 दिल्ली सराय-जोधपुर भी अपने निर्धारित मार्ग से न चलकर बदले हुए रूट से संचालित होंगी। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि यदि उनकी यात्रा इन तिथियों पर है, तो वे अपनी ट्रेन के नए मार्ग की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। ये ट्रेनें रद्द रहेंगी रेलवे के इस जरूरी निर्माण कार्य के कारण कुछ ट्रेनें पूरी तरह रद्द



कर दी गई हैं। 14 अक्टूबर को ट्रेन नंबर 54789 रेवाड़ी-बीकानेर और ट्रेन नंबर 54790 बीकानेर-रेवाड़ी रद्द रहेंगी। रेलवे ने सूचित किया है कि इन दोनों ट्रेनों के अलावा भी कुछ अन्य स्थानीय और यात्री ट्रेनें रद्द की जा सकती हैं। इसलिए, यह अत्यंत आवश्यक है कि यात्री अपनी यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति को जांच लें।

MISSING DOCUMENT

I the Undersigned **Mr. ANCHAL ROHITASH ASSAT**, Aadhar Card No. 9094 5965 3716, Presently R/o. 3/4 Mahavir Jyot Co-Opp. Housing Society, Mahavir Nagar, Vapi, N.H. No.8, Vapi, Po.Sta. Vapi, Tal.-Vapi, Dist.-Valsad.

That I am Holder of Indian **Passport Bearing No. V6226335**, Date of issue-30/03/2022 and Date of Expiry-29/03/2032, Place of Issue: Surat. This passport is lost from my home. In spite of my best efforts to search my above said Passport, I could not be found it on dt.20/08/2026. Now I want to get missing report from the police department, Vapi Town, Tal.-Vapi, Dist.-Valsad, so missing report is required to be produced.

Whatever stated above is true to the best of my knowledge and belief and we believe the same are true.

SD/-

Place: Vapi

Dated:-

Anchal Rohitash Assat

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव का केंद्राधिकारित प्रदेश प्रशासन	लोक निर्माण विभाग - दमण
	निविदा आमंत्रण सचवा
	MPLAD योजना के तहत नानी दमन में स्लवाडा
	ग्रांडेड का विकास। E-III-(531) 2 nd कॉल
	टेंडर आईडी नंबर 2026_DAMN_5010_1
	पीबिड मॉडिंग की तारीख :-
	डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 15/10/2026
	हाई कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 15/10/2026
	बोली खुलने की तिथि : 15/10/2026
For details please scan https://dtenders.gov.in	
प्रभारी कार्यपालक अभियंता, लो.नि.वि.-3, दमण,	No.: 1P/DMN/2/5/2026-27/578 dtd.: 12/10/2026

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव का केंद्राधिकारित प्रदेश प्रशासन	लोक निर्माण विभाग - दमण
	निविदा आमंत्रण सचवा
	एमपीएलएडी योजना के तहत पाटलारा समशान
	भूमि, मोटी दमन का विकास। (ई-III-532) 2 nd कॉल
	टेंडर आईडी नंबर : 2026_DAMN_5011_1
	पीबिड मॉडिंग की तारीख :-
	डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 15/10/2026
	हाई कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 15/10/2026
	बोली खुलने की तिथि : 15/10/2026
For details please scan https://dtenders.gov.in	
प्रभारी कार्यपालक अभियंता, लो.नि.वि.-3, दमण,	No.: 1P/DMN/2/5/2026-27/579 dtd.: 12/10/2026

CHANGE OF NAME

OLD NAME - KHOT MOHAMAD FAIZAIN AKBARALI
NEW NAME-MOHAMADFAIZAN ACBARALI
Add:- 3/195 Kharawad Masjid Street, Nani Daman, Pin Code-396210

CHANGE OF NAME

OLD NAME - SHAIKH NILOFAR JAMAL
NEW NAME-NILOFAR MD JAMAL SHAIKH
Add:- 3/195 Kharawad Masjid Street, Nani Daman, Pin Code-396210.

CHANGE OF NAME

Old name :- Mayankkumar Hemantbhai Sukani
NEW NAME :- MAYANK HEMANT SUKANI
Address: 14/81/A/1/S-1, Narayan Park, Behind Yogi Complex, NANI DAMAN, Daman - 396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SHASHIKANT SATISHPRASADSINGH TO **SHASHIKANT AS PER DOCUMENT.**
ADDRESS: Flat No. A-708 Palladium Square, Ring Road, Samarvarni, Silvassa -396230

CHANGE OF NAME

OLD NAME: ACHARYA VENUGOPALA RAMACHANDRA
NEW NAME: VENUGOPAL ACHARYA
ADDRESS: A-5, PRAMUKH VATIKA, BAWIS FALIA ROAD, AMLI, SILVASSA - 396230, UT OF DADRA & NAGAR HAVELI & DAMAN & DIU

CHANGE OF NAME

I have changed m y name from Old Name:FAKIRBHAI VALLABHAI MACHHI to **New Name:FAQUIR VALOBO**
Resident of 11/338 CHINIA SHERI, NANI DAMAN, DAMAN, DAMAN AND DIU-396210.

CHANGE OF NAME

I have changed m y name from Old Name : CASSI PEMA to **New Name : KASHIBEN PREMABHAI**
Resident of H.NO.-10/314, CHHAPLI SHERI, MACHHIWAD, NANI DAMAN, DAMAN, DAMAN AND DIU-396210.

परिवर्तन की नई आवाज बनती भारतीय लड़कियां



राज कुमार सिन्हा

भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है।

परंपरागत रूप से, महिलाएं घरेलू क्षेत्र तक अपने को सीमित रखती हैं, जिसमें पत्नी, मां और गृहिणी के रूप में उनकी भूमिकाओं पर बल दिया जाता है।परन्तु भारत में महिलाओं की भूमिका में व्यापक परिवर्तन देखा जा रहा है। हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए दो बड़े विरोध प्रदर्शनों,जुलाई 2026 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के खिलाफ और अक्टूबर 2026 में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भारतीय छात्र राजनीति और सामाजिक आंदोलनों में लड़कियों और महिलाओं की भूमिका का एक नया खका तैयार किया है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और छात्र संगठनों के नेतृत्व में शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे के लिए चले लगभग एक महीने के लंबे आंदोलन में लड़कियों ने वैचारिक और जमीनी दोनों स्तरों पर कमान सभाली थी। राजनीतिक विश्लेषकों ने इस आंदोलन को रेखांकित करते हुए लिखा है कि छात्राओं ने कमजोर समझे जाने वाले मुद्दों को तोड़कर खुद को आंदोलन के मोर्चे पर स्थापित किया है।मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे हालिया प्रदर्शनों के दौरान महिलाओं की भागीदारी और उनके प्रति पुलिसिया रवैये ने व्यवस्था के एक अलग पहलू को सामने लाया है। आंदोलनकारी छात्राओं ने अपने साक्षात्कारों में यह स्पष्ट किया है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों को तैनाती मात्र से राज्य का रवैया संवेदनशील नहीं हो जाता है। उनके अनुसार, राज्य व्यवस्था का चरित्र पुरुष प्रधान ही रहता है, चाहे वही पुरुष ने पहनी हो या महिला ने। जंतर-मंतर के ये हालिया घटनाक्रम दर्शाते हैं कि आधुनिक भारत में लड़कियां सिर्फ शैक्षणिक या आर्थिक सुधारों तक सीमित नहीं हैं। चाहे वह शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता का मुद्दा हो या लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की शुचिता या चुनाव आयोग की जवाबदेही? का, देश की युवतियां राजनीतिक और संवैधानिक तंत्र को चुनौती देकर व्यवस्था परिवर्तन की सबसे मुखर आवाज बन चुकी हैं। दूसरी ओर जनरेशन अल्फा की छात्राओं और छात्रों ने शिक्षा व्यवस्था की जर्जर और अपर्याप्त स्थिति के खिलाफ एक अभूतपूर्व और बड़े स्तर पर विरोध संघर्ष छेड़ा हुआ है।जेन जी के पेपर लीक आंदोलनों से प्रेरणा लेकर स्कूली बच्चे सीधे सड़कों पर उतरकर व्यवस्था से जवाबदेही मांग रहे हैं।सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को बुनियादी अधिकारों से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे लेकर देशव्यापी आंदोलन खड़ा हुआ है। यह अस्तोष केवल भारत तक सीमित नहीं है। फ्रांस में भी मैक्रों सरकार की शिक्षा नीतियों के खिलाफ जेन अल्फा के स्कूली छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे हैं। वहां छात्राओं की मांग है कि कक्षाओं में भीड़ कम की जाए, जर्जर इमारतों की मरम्मत हो और लंबे स्कूल समय (स्कोल ऑवर) की समीक्षा की जाए क्योंकि पढ़ाई का दबाव उनकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इतिहास और वर्तमान दोनों



इस बात का गवाह है कि सड़कों पर व्यवस्था परिवर्तन की अलख जगाने वाली युवा लड़कियां आगे चलकर देश और दुनिया की नीतियां तय करने वाली शीर्ष राजनीतिक नेता बनी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसके कुछ सबसे सशक्त उदाहरण हैं। न्यूजीलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्देन ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत युवावस्था में एक सामाजिक कार्यकर्ता और लेबर पार्टी के युवा विंग के सदस्य के रूप में की थी। उन्होंने मानवाधिकारों, बाल गरीबी और पर्यावरण के मुद्दों पर आंदोलनों में भाग लिया। युवावस्था में जमीनी मुद्दों पर सक्रियता के कारण ही वह मात्र 37 वर्ष की उम्र में दुनिया की सबसे युवा महिला राष्ट्राध्यक्षों में से एक बनीं। चिली में 2011 और 2019 के बड़े छात्र आंदोलनों का नेतृत्व युवा छात्राओं और लड़कियों ने किया था। इनमें से कैमिला वैलेजो एक प्रमुख छात्र आंदोलनकारी थी, जो बाद में चिली की संसद में पहुंचीं और वर्तमान में सरकार में मंत्री हैं। इसी तरह, इरानी कारामानोस ने एक नारीवादी कार्यकर्ता के रूप में शुरूआत की और चिली की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।फिनलैंड की पूर्व प्रधानमंत्री साना मारिन एक बेहद सामान्य पृष्ठभूमि से आती थीं और उन्होंने युवावस्था में ही सामाजिक-राजनीतिक सक्रियता शुरू कर दी थी। वह सोशल डेमोक्रेटिक यूथ की उपाध्यक्ष बनीं और नागरिक अधिकारों के आंदोलनों से जुड़कर आगे बढ़ीं। वह 34 वर्ष की आयु में फिनलैंड की प्रधानमंत्री बनीं और उनके नेतृत्व वाले गठबंधन दल की सभी पांचों नेता महिलाएं थीं, जिनमें से चार की उम्र 35 वर्ष से कम थी।लड़कियों की शिक्षा के

लिए तालिबान जैसे ब्रूर संगठन के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत करने वाली युसुफजई मलाला आज वैश्विक स्तर पर नीति-निर्धारकों को प्रभावित करती हैं। जलवायु परिवर्तन के खिलाफ फ्राइडेज फॉर फ्यूचर आंदोलन शुरू करने वाली ग्रेटा थनबर्ग ने दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों और संयुक्त राष्ट्र को सीधे तौर पर कठघरे में खड़ा किया है। उन्होंने यह साबित किया कि एक स्कूली लड़की भी वैश्विक राजनीतिक एजेंडे को बदल सकती है।अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि आंदोलनकारी पृष्ठभूमि से आने वाली महिला नेता स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और बाल कल्याण जैसे संवेदनशील मुद्दों को राजनीतिक एजेंडे में सबसे ऊपर रखती हैं। पारंपरिक पुरुष-प्रधान राजनीति के मुकाबले, ये युवा महिला नेता व्यवस्था परिवर्तन का एक नया और अधिक समावेशी खाका पेश करती हैं।जंतर-मंतर या वैश्विक मंचों पर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों में सत्ता से सीधे सवाल पूछने का साहस होता है, जो भविष्य के एक अच्छे राजनेता का प्राथमिक गुण है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आज जो लड़कियां पेपर लीक या चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ आंदोलन का चेहरा बनी हुई हैं, वे केवल आज का प्रदर्शन नहीं कर रही, बल्कि वे अपनी राजनीतिक क्षमता को निखार रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय उदाहरण बताते हैं कि कल की यही आंदोलनकारी लड़कियां भविष्य में देश और दुनिया की मुख्यधारा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने वाली नेता बनेंगी।वह केवल महिला सशक्तीकरण का प्रश्न नहीं है, बल्कि देश की मानवीय क्षमता का बेहतर उपयोग करने का प्रश्न भी है। जिस देश

की आधी आबादी लंबे समय तक घरेलू भूमिकाओं तक सीमित रही हो, वहां यदि लड़कियां शिक्षा, लोकतंत्र, पर्यावरण, सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों के सवालों पर नेतृत्व की भूमिका में आगे आ रही हैं, तो इसे केवल आंदोलनों तक सीमित रखना देश के लिए एक बड़ा अवसर गंवाना होगा। इन युवा महिलाओं की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उनका राजनीतिक अनुभव केवल चुनाव लड़ने तक सीमित नहीं है। वे विश्वविद्यालयों, सड़कों, ग्राम सभाओं, सामाजिक आंदोलनों और डिजिटल मंचों पर सवाल उठाते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया को करीब से समझ रही हैं। वे प्रशासनिक निर्णयों के प्रभाव को सीधे महसूस करती हैं और सत्ता से जवाब मांगने का साहस भी रखती हैं। आज के आंदोलनों में नेतृत्व कर रही ये लड़कियां भविष्य के राजनीतिक और सामाजिक नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं। आंदोलनों को केवल महिलाओं के मुद्दों तक सीमित नहीं समझना चाहिए। जब कोई छात्रा पेपर लीक, बेरोजगारी, चुनावी पारदर्शिता, पर्यावरण या संविधान की रक्षा के सवाल को लेकर सड़क पर उतरती है, तो वह केवल अपने अधिकार के लिए नहीं लड़ रही होती, बल्कि लोकतंत्र के व्यापक हित में नागरिक की भूमिका निभा रही होती है। भारतीय लड़कियों का आंदोलनों में बढ़ता नेतृत्व इस बात का संकेत है कि देश की नई पीढ़ी केवल व्यवस्था के निर्णयों को स्वीकार करने के बजाय उनसे सवाल पूछने, जवाबदेही तय करने और बदलाव की दिशा निर्धारित करने के लिए तैयार है। जंतर-मंतर से लेकर वैश्विक मंचों तक, छात्राओं और युवा महिलाओं की सक्रियता लोकतंत्र को अधिक जवाबदेह, संवेदनशील और समावेशी बनाने की संभावना प्रस्तुत करती है। इसलिए उनके संघर्षों को केवल तात्कालिक विरोध या छात्र राजनीति की गतिविधि मानकर नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा संस्थाओं, राजनीतिक दलों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में उन्हें समान अवसर, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और नेतृत्व के लिए अनुकूल वातावरण मिले। आज व्यवस्था से सवाल पूछने वाली लड़कियां को यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया में उचित स्थान दिया जाता है, तो वे केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं करेंगी, बल्कि देश की राजनीति और समाज को भी अधिक न्यायपूर्ण, समानतापूर्ण और लोकतांत्रिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यही परिवर्तन की उस नई आवाज का वास्तविक अर्थ है, जो आज की युवा लड़कियों के संघर्षों से उभर रही है।इसलिए जंतर-मंतर पर खड़ी आज की लड़की को केवल प्रदर्शनकारी के रूप में देखना उसकी क्षमता को कम करके आंकना होगा। वह संभावित सांसद, विधायक, मंत्री, प्रशासक, न्यायविद, सामाजिक कार्यकर्ता या नीति-निर्माता भी हो सकती है। समाज यह है कि क्या भारतीय लोकतंत्र उसे आगे बढ़ने के पंथात अवसर देगा?

संपादकीय

सख्ती पर सवाल

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की सख्ती के उपरांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि तब दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बरिंशा लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांति पूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगें तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सके। दरअसल, विपक्ष दल लोगों को हिरासत में रखने और ज़रूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों की भी जवाबदेह बनाया जाए।

चिंतन-मनन

सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख

पिछले दिनों में राष्ट्रीय रंगमंच पर जिस प्रकार का राजनीतिक चरित्र उभरकर आ रहा है, वह एक गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा लगता है, राजनीति का अर्थ देश में सुव्यवस्था बनाए रखना नहीं, अपनी सत्ता और कुर्सी बनाए रखना है। राजनीतिज्ञ का अर्थ उस नीति-निपुण व्यक्तित्व से नहीं है, जो हर कीमत पर राष्ट्र की प्रगति, विकास-विस्तार और समृद्धि को सर्वोपरी महत्व दे; किंतु उस विदुषक-विशारद व्यक्तित्व से है, जो राष्ट्र के विकास और समृद्धि को अवन्ति के गत में फेंककर भी अपनी कुर्सी को सर्वोपरि महत्व देता हो। राजनेता का अर्थ राष्ट्र को गति की दिशा में अग्रसर करने वाला नहीं, अपने दल को सत्ता की ओर अग्रसर करने वाला रह गया है। यही कारण है कि आज राष्ट्र गौण है, दल प्रमुख है। सिद्धांत गौण है, सत्ता प्रमुख है। चरित्र गौण है, कुर्सी प्रमुख है। एक राजनेता में राष्ट्रीय चरित्र, न्याय-सिद्धांत और नेतृत्व क्षमता के गुणों की आवश्यकता नहीं, किंतु आज कुशल राजनेता वही है, जो अपने दल के लिए राष्ट्र के साथ भी विश्वासघात कर सकता हो, अपनी कुर्सी के लिए अपने दल के साथ भी विश्वासघात करने को हिरासत में रखने और ज़रूरत से ज्यादा बल में प्रयत्न उभरता है, क्या राजनीति का अपना कोई चरित्र नहीं होता अथवा सत्ता प्राप्ति के लिए राष्ट्र, समाज, दल और व्यक्ति की विश्वासपूर्ण भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना ही राजनीति का चरित्र होता है? जनता की कोमल भावनाओं का शोषण करके सत्तासीन होने के बाद क्या राजनेता का व्यक्तित्व जनता और राष्ट्र से भी बड़ा हो जाता है? यदि ऐसा नहीं है तो आज की राजनीति क्यों अपने प्रिय पुत्रों, संबंधियों और यमदौ-चाटुकारों के चप्रवृह में फंसकर रह गई है? राष्ट्र को स्थिर नेतृत्व प्रदान करने के नाम पर क्यों सिद्धांतहीन समझौते और स्तरहीन कलाबाजियां दिखाई जा रही हैं? संप्रदायवाद, जातिवाद, भाषावाद और प्रांतवाद को भड़का करके क्यों सत्ता की गोदियां बिठाई जा रही हैं? आज की राजनीति को देखकर मन ग्लानि और विरुणा से भर जाता है। आखिर यह सबकुछ कब तक चलता रहेगा?



कतिलाल मांडेवत

लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार की सार्थकता तभी बनी रहती है, जब उसके साथ संवैधानिक मर्यादोंओं और कानून के प्रति सम्मान भी जुड़ा हो। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर राजनीतिक विरोध, नागरिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था के बीच संतुलन का प्रश्न खड़ा कर दिया है। दस अक्टूबर को हुए प्रदर्शन के बाद ग्यारह अक्टूबर को भी राजधानी में विरोध जारी रहा। कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं की हिरासत और रिहाई, छात्र संगठनों के मार्च, पुलिस की कार्रवाई तथा सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई ने इस घटनाक्रम को राष्ट्रीय राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरभ दास को दिल्ली पहुंचने के बाद हिरासत में लिए जाने और लगभग तेईस घंटे बाद रिहा किए जाने की खबर ने राजनीतिक माहौल को और गरम कर दिया। दिल्ली पुलिस के अनुसार, तीनों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 126 और 170 के तहत एहतियातन हिरासत में लिया गया था। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। इसके बाद तीनों ने एक वर्ष तक शांति बनाए रखने और अच्छे व्यवहार के लिए पचास हजार रुपये का जमानती मुचलका भरा, जिसके बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। यह घटनाक्रम बताता है कि सार्वजनिक



दीलीप कुमार पाटक

मस्क साहब, हद में रहिए। व्यापार करिए, भारत के शीर्ष नेतृत्व पर राजनीति नहीं हाल ही में अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क ने मुकेश अंबानी को संबोधित करते हुए भारत के प्रधानमंत्री खुद प्रभाव नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैठ जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिल्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहीं पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सर्वोपरि लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं

जीवन में राजनीतिक सक्रियता के साथ कानूनी प्रक्रिया की जानकारी और उसका पालन भी आवश्यक है। रिहाई के बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने सामाजिक माध्यम खाते पर लिखा कि कॉकरोच कभी नहीं मरते। पार्टी के नेताओं ने पत्रकारों से बातचीत में हिरासत की कार्रवाई पर सवाल उठाए और सरकार तथा चुनाव आयोग को लेकर गंभीर आरोप लगाए। आशुतोष रांका ने दावा किया कि उन्हें और उनके साथियों को विमान से उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग को बचाना चाहती है और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सत्तारूढ़ दल के पक्ष में काम कर रहे हैं। ये राजनीतिक आरोप हैं, जिनकी सत्यता का निर्धारण संबंधित तथ्यों, साक्ष्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्ष जांच के आधार पर होना चाहिए। किसी भी आरोप को केवल राजनीतिक बयान के आधार पर अंतिम सत्य मान लेना लोकतांत्रिक निमर्श को कमजोर करता है। इस पूरे प्रकरण में विपक्ष की रणनीति भी महत्वपूर्ण है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना राजनीतिक दबाव बनाने का तरीका हो सकता है, लेकिन किसी संवैधानिक पदाधिकारी का भविष्य केवल नारों और भीड़ के दबाव से तय नहीं किया जा सकता। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता सूची के पुरोहिण्य और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रश्नों पर तथ्यपरक बहस होनी चाहिए। यदि विपक्ष को किसी प्रक्रिया में अनिश्चितता दिखाई देती है, तो उसे प्रमाणों के साथ संबंधित संवैधानिक और न्यायिक मंचों पर अपनी बात रखनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, लेकिन सवालों के उत्तर भी प्रमाण, प्रक्रिया और कानून के आधार पर ही खोजे जाने चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था पर उठने वाले सवाल केवल सत्ता पक्ष या विपक्ष तक सीमित नहीं रहते। उनका प्रभाव आम मतदाता के विश्वास पर पड़ता है। यदि चुनाव प्रक्रिया पर संदेह है, तो उसका समाधान पारदर्शिता, सार्वजनिक तथ्यों और निष्पक्ष परीक्षण से निकलना चाहिए। दूसरी ओर, किसी संस्था के प्रति समर्थन जताने का अर्थ यह

नहीं हो सकता कि उससे जवाबदेही के प्रश्न ही न पूछे जाएं। संवैधानिक संस्थाओं की मजबूती निष्पक्षता, स्वतंत्रता और जनता के विश्वास से आती है। इसलिए सत्ता पक्ष को भी आरोपों का उत्तर तथ्यों के साथ देना चाहिए और विपक्ष को भी अपने दावों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करनी चाहिए। दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में दो याचिकाओं पर सुनवाई ने नागरिक अधिकारों के प्रश्न को और महत्वपूर्ण बना दिया। याचिकाओं में प्रदर्शनकारियों की हिरासत, पुलिस के कथित दुर्व्यवहार, बैरिकेडिंग और मेट्रो सेवाओं में व्यवधान जैसे मुद्दे उठाए गए। वरिष्ठ अधिकारकों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों के अधिकारों की रक्षा और लोगों की आवाजाही बहाल करने की मांग की। न्यायालय ने निर्देश दिया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधित क्षेत्रों से बाहर शांतिपूर्ण और बिना हथियार प्रदर्शन करने वालों को केवल प्रदर्शन करने के कारण हिरासत में न लिया जाए। साथ ही, कानून के अनुसंध नागरिकों की आवाजाही सुनिश्चित करने और निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया गया। ये निर्देश स्पष्ट करते हैं कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने की गतिवादी निभाते समय नागरिक स्वतंत्रता का सम्मान भी अनिवार्य है। दिल्ली में सीसे से अधिक प्राथमिकी दर्ज किए जाने की खबर और छात्र संगठनों के कार्यकर्ताओं की हिरासत ने भी प्रशासन की भूमिका पर चर्चा बढ़ाई है। पुलिस का दायित्व है कि वह हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान और सरकारी कार्य में बाधा जैसी गतिविधियों पर कानून के अनुसार कार्रवाई करे। लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन और हिंसक गतिविधियों के बीच स्पष्ट अंतर करना भी उनका ही जरूरी है। किसी व्यक्ति के राजनीतिक विचार या सरकार की आलोचना मात्र को अपराध का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। इसी तरह प्रदर्शनकारियों को भी यह समझना होगा कि सार्वजनिक सड़कों, परिवहन सेवाओं और आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अनिश्चितकाल तक बाधित करना उनके अधिकारों की सीमा से जुड़ा प्रश्न है।

इस विवाद का एक मानवीय पक्ष भी सामने आया, जब अभिजीत दीपके की मां ने कहा कि यदि उनके बेटे को पहले रिहा कर दिया जाता, तो वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार में शामिल हो सकता था। परिवार को इस पीड़ा को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। कानून लागू करने वाली संस्थाओं को प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और आश्चर्यक मानवीय परिस्थितियों का ध्यान रखना चाहिए। वहीं, हिरासत से जुड़े निर्णयों की वैधता का मूल्यांकन तथ्यों और लागू कानूनी प्रावधानों के आधार पर होना चाहिए। राजनीतिक आंदोलनों के पीछे विदेशी साजिश, युवाओं को पैसा देकर प्रदर्शन में लाने या सरकार को अस्थिर करने जैसे आरोप भी सार्वजनिक निमर्श में सामने आते रहते हैं। लेकिन ऐसे गंभीर दावों की प्रमाण के बिना स्वीकार करना उचित नहीं है। यदि किसी के पास धन के बदले भीड़ जुटाने, हिंसा भड़काने या विदेशी हस्तक्षेप के ठोस प्रमाण हैं, तो उन्हें जांच एजेंसियों और संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए। बिना प्रमाण पूरे आंदोलन को अस्वीकार करने के लिए सत्ता पक्ष को किसी पड़वंत्र का हिस्सा बताना भी न्यायसंगत नहीं होगा। युवाओं की राजनीतिक भागीदारी लोकतंत्र का हिस्सा है, बशर्ते वह शांतिपूर्ण और कानूनसम्मत हो। अंततः दिल्ली का यह घटनाक्रम सरकार, विपक्ष, पुलिस और प्रदर्शनकारियों सभी के लिए एक परीक्षा है। विपक्ष को अपनी बात रखने के लिए संवैधानिक रास्तों और प्रमाणों पर भरोसा करना चाहिए। सरकार तथा प्रशासन को आलोचना का उत्तर पारदर्शिता और जवाबदेही से देना चाहिए। पुलिस को कानून लागू करते समय निष्पक्षता बनाए रखनी चाहिए और प्रदर्शनकारियों को अपने अधिकारों के साथ अपने दायित्व भी याद रखने चाहिए। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न सरकार को मममानी की झूट है, न विपक्ष को कानून तोड़ने का अधिकार। भारत की लोकतांत्रिक शक्ति इसी संतुलन में निहित है कि असहमति को स्थान मिले, संस्थाओं की जवाबदेही बनी रहे और सार्वजनिक जीवन में कानून का शासन सर्वोपरि हो। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

वैश्विक पटल पर भारत की गरिमा और कूटनीतिक मौन का जोखिम

टिप्पणी करता है, तो बात केवल एक व्यक्ति की नहीं रह जाती। यह सीधे तौर पर हमारे देश के सम्मान और उसकी संप्रभुता से जुड़ जाती है। इस पूरे मामले के सामने आने के बाद देश में एक बहस छिड़ गई है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री को खुद सामने आकर ऐसे बयानों का जवाब देना चाहिए? इसका सीधा और साफ जवाब है - बिल्कुल नहीं। भारत 140 करोड़ से ज्यादा आबादी वाला देश है, दुनिया की सबसे पुरानी महान सभ्यताओं में से एक है और आज एक बड़ी आर्थिक ताकत है। ऐसे देश के प्रधानमंत्री का पद बहुत जिम्मेदारी और व्यस्तता वाला होता है। उनका काम देश चलाना है, न कि किसी विदेशी बिजनेसमैन या सोशल मीडिया स्टार के तंत्र पर रोज सफाई देना या उनके साथ बहस में उलझना। लेकिन यहीं असली सवाल यह उठता है कि अगर प्रधानमंत्री खुद प्रभाव नहीं दे रहे हैं, तो क्या इसका मतलब यह है कि पूरा देश चुप बैठ जाए? अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जब आप किसी टिप्पणी पर बिल्कुल चुप रह जाते हैं, तो लोग उसे आपकी कमजोरी या सहमति मान लेते हैं। यहीं पर हमारे विदेश मंत्रालय और दूसरे मंत्रियों की बड़ी लापरवाही सामने आती है। सच यह है

कि पिछले कुछ समय से हमारा कूटनीतिक तंत्र काफी सुस्त और ज़रूरत से ज्यादा दबकर काम कर रहा है। चाहे अमेरिकी नेताओं के उटपटंग बयान हों या डोनाल्ड ट्रंप की बिन-मांगे दी गई सलाह - हमारा विदेश मंत्रालय हर बार संयम और मर्यादा के नाम पर चुप्पी साध लेता है या फिर बहुत ढीला-ढाला जवाब देकर पल्ला झाड़ लेता है। हद से ज्यादा संयम दिखाना भी सही नहीं होता, क्योंकि जब आप बार-बार चुप रहते हैं, तो सामने वाला आपकी शराफत को आपकी झिझक समझने लगता है। विदेश मंत्रालय की इसी दिलाई का नतीजा है कि आज एलन मस्क जैसे उद्योगपतियों की भी इतनी हिम्मत हो गई कि वे भारत के पीएम पद पर तंज कसने लगे। कूटनीति का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े दीरों पर जाना या औपचारिक प्रेस नोट जारी करना नहीं होता। कूटनीति का असली काम देश के मान-सम्मान की रक्षा करना है। विदेश मंत्रालय और हमारे मंत्रियों को मस्क को तुरंत और सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे सिर्फ एक बिजनेसमैन हैं, किसी देश के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री नहीं। अपनी सीमा में रहकर बात करना ही उनके और उनके विरोध के लिए अच्छा है। बिजनेस करने और किसी देश की राजनीति पर तंज कसने के

बीच एक दायरा होता है, और किसी भी धनकुबेर को वह दायरा लांचने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। अमेरिका की भी यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते बराबरी और सम्मान के दम पर ही आगे बढ़ सकते हैं। कोई भी बिजनेसमैन कितना भी अमीर क्यों न हो, उसे किसी दूसरे देश के लोकतांत्रिक पदों का मजाक उड़ाने का हक नहीं मिल जाता। निष्कर्ष बहुत सीधा है - भारत को हर उकसावे और हर तंज का मुंहतोड़ जवाब देना ही होगा। लेकिन इस काम के लिए हर बार पीएम ही सामने आएँ, यह बिल्कुल जरूरी नहीं है। इसके लिए हमारे पास पूरा विदेश मंत्रालय है और कई जिम्मेदार मंत्री हैं। हमारे मंत्रियों को सख्त लहजे में यह याद दिलाना चाहिए था कि वे गैर-जिम्मेदाराना बयानों का सिलसिला रुकने वाला नहीं है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

इटली के सिसिली में दो बवंडरों का कहर, कई घायल; स्कूल और मकान क्षतिग्रस्त

रोम, एजेंसी। इटली के सिसिली द्वीप के पश्चिमी हिस्से में आए दो शक्तिशाली बवंडरों ने भारी तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा में कई लोग घायल हो गए, कई मकानों और वाहनों को नुकसान पहुंचा तथा एक स्कूल की इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शुक्रवार देर शाम आई इस आपदा में 11 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 70 वर्षीय व्यक्ति की हालत गंभीर बताई गई है। इटली की न्यूज एजेंसी एएनएसए की रिपोर्ट के अनुसार, बवंडर ने पश्चिमी सिसिली के तटीय शहर मार्साला और आसपास के इलाकों को प्रभावित किया। समुद्र के ऊपर बने बवंडर तट की ओर बढ़े और फिर रिहायशी इलाकों में पहुंचकर तबाही मचाने लगे। तेज हवाओं के कारण कारें पलट गईं, इमारतों की खिड़कियां टूट गईं, और कई जगहों पर मलबा बिखर गया। मार्साला के एक स्कूल को भी भारी नुकसान पहुंचा। घटना के समय वहां 273 बच्चे मौजूद थे। स्कूल प्रशासन और कर्मचारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। हालांकि, घटना में छह बच्चों को मामूली चोट आई।

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में गोलीबारी, संदिग्ध समेत नौ लोगों की मौत

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, अधिकारियों ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां साझा नहीं की हैं। एरी के पुलिस प्रमुख रिच लोराह ने एक स्थानीय न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा। इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की पेशकश की। उन्होंने कहा कि उनका प्रशासन इस मुश्किल समय में शहर को पूरा सहयोग देगा। एरी शहर पिट्सबर्ग से करीब 188 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। फिहाल, घटना को लेकर अधिकारियों ने इससे अधिक जानकारी नहीं दी है।

तूफान की चपेट में आने से अमेरिका में चार लोगों की मौत

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के कुछ इलाकों में इसायस तूफान का कहर दिख रहा है। फ्लोरिडा पेनहैडल के किनारे बने होटलों और कॉन्डोमिनियम की छतों को प्रचंड हवाओं के कारण भारी नुकसान उठाना पड़ा है। शनिवार को (स्थानीय समय) तूफान उतर की ओर बढ़ गया, जिसके कारण दक्षिणपूर्व में मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर अवानक बाढ़ और बवंडर का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक तूफान से कम से कम चार लोगों की मौत हुई है जिनमें फ्लोरिडा और अलबामा में घरों पर पेड़ गिरने से मारे गए दो लोग भी शामिल हैं। लगभग 7 लाख उपभोक्ताओं के घरों में बिजली गुल है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक बाढ़ दक्षिणी अप्पलाचियन पर्वतमाला तक फैल सकती है। गौरतलब है कि इसायस का लैडफॉल शुक्रवार को फ्लोरिडा के डेस्टिन के पास हुआ, जब श्रेणी 2 का यह तूफान तट से टकराया। डेस्टिन खाड़ी तटीय इलाके में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। ऊंची इमारतों और पर्यटकों को तुभाने वाली दुकानों से भरे इलाके में खतरा बना हुआ है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसैंटिस के विचारों के तहत भर में तूफान कमजोर पड़ा है। अब ये उष्णकटिबंधीय चक्रवात की श्रेणी में है लेकिन अभी भी 'बाढ़ का खतरा बहुत अधिक है।

रूस की लैब में कर्मचारी की मौत का कारण अब तक स्पष्ट नहीं, डब्ल्यूएचओ ने जांच जारी रखने को कहा

जिनेवा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने शनिवार को कहा कि रूस की एक प्रयोगशाला में काम करने वाले युवक की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। यह लेब प्लेग और दूसरी बीमारियों पर काम करती है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, शुरुआती रिपोर्टों में मौत की वजह न्यूमोनिक प्लेग होने की आशंका जताई गई थी, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। यह बीमारी फेफड़ों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है और एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकती है।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़:कई पुल-घर बहे, 4 लापता, लैंडस्लाइड से स्यारी नदी का रास्ता बंद, बिहार में भी खतरा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में कई घर और पुल बह गए। चार लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बाढ़ से 3.41 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बरिस्थों में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुचुन्डी स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक



तेज बहाव के साथ नीचे आया। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। आज अहले सुबह नेपाल के गोरखा जिले में फिर से भयानक बाढ़ देखने को मिली। यहां की बूढ़ी गंडक नदी में आई अचानक बाढ़ ने एक बार फिर से तबाही मचाई है। बूढ़ी गंडक नदी के बाढ़ में नेपाल को जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। इस बार बाढ़ के साथ मिट्टी, पत्थर एवं भारी भरकम पेड़ बहकर आया

100 घर बाढ़ में बहने का अनुमान है। छोटे-बड़े आधा दर्जन पुलों को भी क्षति हुई है। सल्लेरी में निर्माणधीन जल विद्युत परियोजना के बेस कैप को भारी नुकसान हुआ है। बाढ़ अपने से बेस कैप बहा ले गई है। हालांकि अभी तक जान माल की क्षति का आंकलन नहीं हो पाया है। गृह मंत्री सुदन गुरुंग के निर्देश पर रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए हेलिकॉप्टर को लगाया गया है। रेस्क्यू टीम बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर निकाल रही है।

नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने रविवारको बाढ़ की चेतावनी जारी की। इसमें लोगों से बूढ़ी गंडकी नदी से दूर रहने को

कहा गया, क्योंकि चुमानुबरी रूरल म्युनिसिपैलिटी-6 से नदी में भारी बाढ़ आने की आशंका थी। अथॉरिटी के बाढ़ पूर्वानुमान विभाग ने सुबह 6:40 बजे अलर्ट जारी किया। इसमें लोगों से कहा गया कि वे त्रिशूली दोभान तक नदी के पास न जाएं और बाढ़ का पानी उतरने तक ऊंचे स्थानों पर रहें। चेतावनी में लोगों से सावधानी बरतने और नदी के किनारे के उन इलाकों से दूर रहने को कहा गया, जहां जलस्तर बढ़ने से खतरा हो सकता है। अथॉरिटी ने सोशल मीडिया पर यह अलर्ट जारी कर इलाके के निवासियों और अन्य लोगों को बाढ़ के संभावित खतरे से आगाह किया।

असली आज़ादी

सऊदी के रियाद एयरपोर्ट पर हमला, धमाके से 12 मौतें :300 लोग घायल



रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को फिर हमला हुआ। धमाके में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में 4 सऊदी, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, फिलिस्तीन, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट खाली कराया गया और उड़ानें रोक दी गईं। बीते 24 घंटे में एयरपोर्ट की कम से कम 225 उड़ानें रद्द हुईं। रियाद एयरपोर्ट पर बीते 20 दिन में यह चौथा हमला है। अभी तक किसी ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि हमले के पीछे हूतियों के हथ होने का शक है। हूतियों ने इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में उड़ानें चलाने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।

हूती विद्रोहियों और सऊदी समर्थित यमनी सेना के बीच लड़ाई तेज : यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के समर्थन वाली सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सऊदी अरब अपने लड़ाकू विमानों से हूतियों के ठिकानों पर हमला हमले कर रहा है, जबकि यमन की सरकारी सेना जमीन पर आगे बढ़ रही है। इसका मकसद लाल सागर के पास हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को

हूए हमलों के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, यह अच्छा नहीं है और मैं खुश नहीं हूँ। हालांकि, इन हमलों के जवाब में अमेरिका की ओर से सैन्य मदद देने का कोई संकेत नहीं मिला। अमेरिका ने फिलहाल इस संघर्ष से दूरी बनाई हुई है।

एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने उड़ानें रोकीं : सऊदी अरब पर बढ़ते हमले के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट के लिए उड़ानें रोक दी हैं। इनमें एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, तुपथांसा ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस शामिल हैं। यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी सऊदी हवाई क्षेत्र को लेकर अपनी चेतावनी बढ़ाई है।एजेंसी के मुताबिक, हूती विद्रोही अब सऊदी अरब के अंदर तक हमले करने में सक्षम हैं और उनका ध्यान एयरपोर्ट जैसे विमानन ठिकानों पर भी

यूएस में गोलीबारी: पेंसिल्वेनिया में नौ, जॉर्जिया में पांच लोगों की मौत; पुलिस बोली- 28 साल में पहली ऐसी घटना

पेंसिल्वेनिया , एजेंसी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में हुई गोलीबारी में संदिग्ध हमलावर समेत नौ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। हालांकि, खबर लिखे जाने तक स्थानीय अधिकारियों, पुलिस के आला अफसरों में किसी ने घटना से जुड़ी अन्य जानकारियां साझा नहीं की हैं।

28 साल से अधिक के करियर में ऐसी घटना नहीं : पीटीआई पर आई रिपोर्ट के मुताबिक एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने एक स्थानीय न्यूज चैनल से बातचीत में कहा कि अपने 28 साल से अधिक के करियर में उन्होंने ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि शहर में इतने लोगों की मौत और इतनी बड़ी तबाही का सामना शायद पहले कभी नहीं करना पड़ा।

अमेरिका के किस कोने का मामला, गवर्नर ने हर संभव मदद की पेशकश की : इस घटना के बाद पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को एरी की मेयर डारिया डेविलिन को हर संभव मदद देने की

पाकिस्तान में ईसाई शख्स पर ईशनिंदा का आरोप, घर-फार्मेसी फूंकी; डर से भागे 35 परिवार

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान में ईशनिंदा के आरोप के बाद एक ईसाई व्यक्ति के घर और फार्मेसी को भीड़ ने आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद इलाके में रहने वाले ईसाई समुदाय के 35 से ज्यादा परिवारों को अपनी सुरक्षा के लिए घर छोड़कर भागना पड़ा। पुलिस के मुताबिक, यह घटना गुरुवार को लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के घरियाल कलां गांव में हुई। आरोपी की पहचान 40 साल के कामरान गुल मसीह के रूप में हुई है। उस पर सोशल मीडिया पर ईशनिंदा से जुड़ी सामग्री साझा करने का आरोप है।

मस्जिद से लोगों को जुटने का हुआ ऐलान : पुलिस अधिकारी जुबैर अब्बास ने बताया कि कामरान गुल मसीह को गिरफ्तार कर लिया गया है। भीड़ के हाथों उसकी हत्या होने की आशंका को देखते हुए उसे सुरक्षा के लिए



एक सुरक्षित स्थान पर रखा गया है। हालांकि, एक स्थानीय मस्जिद से लोगों को उसके घर के आसपास जुटने की घोषणा की गई। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग वहां इकट्ठा हो गए। भीड़ ने पहले मसीह के घर में आग लगा दी और फिर उसकी फार्मेसी को भी जला दिया। पुलिस के मुताबिक, जैसे ही भीड़ के पहुंचने की खबर फैली, मसीह के परिवार और इलाके में रहने वाले ईसाई समुदाय के लोग अपनी सुरक्षा के लिए वहां से निकलने लगे।

35 से ज्यादा ईसाई परिवारों ने छोड़े घर : पुलिस अधिकारी जुबैर अब्बास के मुताबिक, इस घटना के बाद 35 से ज्यादा ईसाई परिवारों को अपने घर छोड़ने पड़े। घटना की सूचना मिलने पर सीनियर अफसरों के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने हालात को काबू में किया। इस मामले में पुलिस से कामरान गुल मसीह के खिलाफ पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 295-ए के तहत केस दर्ज किया है। यह धारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने से जुड़े मामलों में लगाई जाती है। प्राथमिकी यानी खट्ठूक के मुताबिक, पुलिस शिकायतकर्ता रईस अहमद ने बताया कि वह अन्य पुलिसकर्मियों के साथ इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सूचना मिली कि कामरान गुल मसीह ने फेसबुक पर एक वीडियो

साझा किया है। आरोप है कि यह वीडियो एक दिन पहले जॉन शाकी नाम के यूजर ने अपलोड किया था। खट्ठूक के मुताबिक, पुलिस अधिकारी ने वीडियो को अपने मोबाइल फोन पर डाउनलोड किया। इसके बाद गवाहों की मौजूदगी में उसे स्क्रीनशॉट ले लिया गया।

वीडियो के स्क्रीनशॉट भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने मसीह के खिलाफ दर्ज मामले के अलावा घर और फार्मेसी में तोड़फोड़ करने तथा आग लगाने के आरोपियों के खिलाफ भी अलग खट्ठूक दर्ज की है। इस मामले में 5 लोगों को नामदर्ज किया गया है, जबकि कई अन्य अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस से कहा कि ईसाई समुदाय में डर पैदा कर दिया।

कनाडा की संप्रभुता को चुनौती दे रहा खालिस्तानी अलगाववाद, रिपोर्ट में चेतावनी

ओटावा , एजेंसी। कनाडा में अलगाववाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। चेतावनी भरे अंदाज में कहा गया है कि देश दूसरे देशों की संप्रभुता को नकारने वाले आंदोलनों को जगह देकर अपनी संप्रभुता की रक्षा नहीं कर सकता। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा सिखों की धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक भागीदारी की रक्षा करते हुए भी अलगाववादी एजेंडे को वैधता देने से बच सकता है। खालसा वॉक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके लिए आतंकवादी संगठनों के खिलाफ घोषित प्रतिबंधों को लागू करना, एयर इंडिया विमान बम विस्फोट के दोषियों का महिमामंडन करने वाले समूहों को मंच देने से इनकार करना और किसी विदेशी जनमत संग्रह को कनाडा के परिसंघ से जुड़े मतदान के साथ एक जैसी राजनीतिक



अभियंत नहीं देना जरूरी है। कुछ विज्ञापनों का भी उल्लेख करते हुए आगे कहा गया, 'कनाडा के अलबर्टा प्रांत में 19 अक्टूबर को इस सवाल पर मतदान की तैयारी है कि क्या प्रांत की स्वतंत्रता के लिए बाध्यकारी जनमत संग्रह कराने की संवैधानिक प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए।' इसी बीच, एयरइंडी के आसपास लगे विज्ञापन 18 अक्टूबर को एक्टिवेट में प्रस्तावित 'पंजाब की स्वतंत्रता पर अलबर्टा जनमत संग्रह' की ओर ध्यान आकर्षित करा रहे हैं। रिपोर्ट में इन विज्ञापनों के पीछे अमेरिका स्थित खालिस्तानी संगठन 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) का हथ बताया गया है। इसमें कहा गया है कि इस संगठन ने



नीरू धांडा ने एशियन गेम्स के तीनों मेडल भारतीय सेना को किए समर्पित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ट्रेप शूटर नीरू धांडा ने 2026 एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक अपने नाम किए। उन्होंने प्रतियोगिता में दो गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। भारतीय सेना में नायब सूबेदार के पद पर कार्यरत नीरू ने अपने तीनों पदक भारतीय सेना और देश की रक्षा में बलिदान देने वाले जवानों को समर्पित किए।

ट्रेप शूटिंग में गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी नीरू

नीरू धांडा ने एशियन गेम्स में महिला व्यक्तिगत ट्रेप शूटिंग स्पर्धा में 26 अंकों के साथ गोल्ड मेडल जीता। इस उपलब्धि के साथ वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने

वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसके बाद उन्होंने आशीमा अहलावत और मनीषा कीर के साथ महिला टीम ट्रेप स्पर्धा में सिल्वर मेडल हासिल किया, जबकि क्यानन चेनाई के साथ मिश्रित टीम ट्रेप स्पर्धा में गोल्ड जीतकर अपने अभियान को यादगार बना दिया।

भारतीय सेना से मिले सम्मान को जीवनभर याद रखेंगी नीरू

नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने 2026 एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाले भारतीय सेना के खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। नीरू ने कहा, 'मेरी सेना और मेरे देश ने मुझे जो सम्मान दिया है, उसे मैं अपनी पूरी जिंदगी याद रखूंगी। मैं

भारतीय सेना और अपने सभी देशवासियों के लिए लड़ती रहूंगी। मुझे उम्मीद है कि मुझे आगे भी लोगों का ऐसा ही प्यार, स्नेह और आशीर्वाद मिलता रहेगा। मैं यहां मिले सम्मान के लिए दिल से बहुत खुश हूँ और सभी की आभारी हूँ।'

शहीद जवानों और उनके परिवारों को समर्पित किए तीनों पदक

नीरू ने आगे कहा, 'मैं अपना यह पदक भारतीय सेना और देश के उन बहादुर जवानों को समर्पित करती हूँ, जो हमारी मातृभूमि की रक्षा करते हुए सीमा पर अपनी जान गंवा देते हैं। मैं अपने तीनों पदक उन्हें समर्पित करती हूँ। देश के प्रति उनका दृढ़ संकल्प और गद्द के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देना

कोई छोटी बात नहीं है। उनके भी परिवार हैं। वे हमारे देश की रक्षा के लिए अपना सब कुछ त्याग देते हैं।'

वर्ल्ड चैंपियनशिप में पदक और ओलंपिक कोटा हासिल करने पर नजर

एशियन गेम्स में ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद नीरू धांडा का अगला लक्ष्य वर्ल्ड चैंपियनशिप है। यह प्रतियोगिता 1 से 15 नवंबर तक आयोजित होगी, जिसमें ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका भी मिलेगा। नीरू अब इस प्रतियोगिता में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं, जबकि उनका बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करना है।

नीरू ने कहा, 'मेरा अगला लक्ष्य 1 से 15 नवंबर तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप है, जिसमें ओलंपिक कोटा प्रतियोगिता भी शामिल है। इसके बाद अगला लक्ष्य, जो हर खिलाड़ी का सपना होता है, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक है।'

नीरू की नजर अब 2028 ओलंपिक पर

एशियन गेम्स में नीरू धांडा की सफलता भारतीय निशानेबाजी के लिए बड़ी उपलब्धि है। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश और भारतीय सेना का नाम रोशन किया है। अब उनकी नजर आगामी वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करने और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारत का कोटा सुनिश्चित करने पर होगी।

संक्षिप्त समाचार

19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड ने असम को 255 रन से रौंदा

लड़कियों ने बिहार को 71 रन से दी शिकस्त

देहरादून (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड के युवा खिलाड़ियों ने दम दिखाया है। अंडर-19 पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, तो महिला टीम ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी। दोनों टीमों ने अपनी विपक्षी टीमों को एकतरफा अंदाज में रौंदा दिया।

क्रिकेट के मैदान में उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन: क्रिकेट के मैदान पर उत्तराखंड की युवा प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। बीसीसीआई के घरेलू टूर्नामेंट में प्रदेश की अंडर-19 पुरुष और महिला टीमों ने अपने-अपने मुकाबलों में बड़ी जीत दर्ज की। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तराखंड की पुरुष टीम ने असम को 255 रन से हराया, जबकि महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी में उत्तराखंड की बेटियों ने बिहार को 71 रन से शिकस्त दी।

पुरुष टीम की जीत में कप्तान आयुष देसवाल की 78 रन की पारी और अकाश कुमार के चार विकेट अहम रहे। वहीं, महिला टीम की ओर से कप्तान करीना ने 47 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों मुकाबलों में उत्तराखंड के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर विपक्षी टीमों पर दबाव बनाए रखा।

ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका पर 280 रन की बढ़त ली

दूसरी पारी में 4.83 के रनरेट से स्कोर किया, चौथे दिन लंच तक- 174/4



डरबन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में मजबूत पकड़ बना ली है। ऑस्ट्रेलिया ने डरबन के किंग्समीड में चौथे दिन लंच 4 विकेट खोकर 174 रन बनाए हैं। टीम की कुल बढ़त 280 रन हो गई है। मैट रेनशॉ 32 और एलेक्स कैरी 5 रन बनाकर क्रीज पर हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 390 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका की टीम 284 रन पर आलआउट हो गई। इस आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 106 रन की बढ़त मिली थी।

रेनशॉ दूसरी पारी में भी अच्छी लय में- ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 137.2 ओवर में 390 रन बनाए थे। मैट रेनशॉ ने 397 गेंदों पर 190 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 21 चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान पैट कमिंस ने 98 गेंदों पर 43 रन बनाए, जबकि लाबुशेन ने 58 गेंदों पर 37 रन जोड़ें। मैट रेनशॉ दूसरी पारी में भी वह सकारात्मक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं। लंच तक उन्होंने 47 गेंदों पर 32 रन बनाए हैं, जिसमें 4 चौके शामिल हैं।

साउथ अफ्रीका की पहली पारी 284 रन पर सिमटी- साउथ अफ्रीका ने पहली पारी में 78 ओवर में 284 रन बनाए थे।

मैडिसन ने 126 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से बनाए रन - दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने तेज शुरुआत की। निक मैडिसन ने 38 गेंदों पर 48 रन बनाए। उन्होंने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। उनका स्ट्राइक रेट 126.32 रहा। उन्हें नीखिया ने बोल्ट किया। स्टीव स्मिथ ने 41 गेंदों पर 27 रन का योगदान दिया। मार्नस लाबुशेन ने भी 58 गेंदों पर 37 रन बनाए। स्टीव स्मिथ को साइमन हार्मर ने आउट किया। केशव महाराज की गेंद लाबुशेन टेम्बा बावुमा को कैच दे बैठे।

भारतीय कप्तान अख्यर ने जीत का श्रेय गेंदबाजों को दिया

कहा- हमारे प्लान क्लियर थे, अभिषेक और प्रिंस की पारियां भी अहम रहीं

इंदौर (एजेंसी)। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में मेहमान टीम को 14 रनों से मात दे दी। रविवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में खेले गए मैच में टीम इंडिया ने पहले 223 रन बनाए और फिर वेस्टइंडीज को 20 ओवर में 209 रनों पर ही रोक दिया। जिसके साथ वो सीरीज में 2-1 से आगे निकल गए। मैच के बाद टीम इंडिया के कप्तान श्रेयस अख्यर ने अपने गेंदबाजों की साफ सोच और पक्के इरादों की तारीफ करते हुए कहा कि मैच में ओस ना पड़ने की वजह से गेंदबाज अपनी योजनाओं पर टिके रहे। जिसकी वजह से मैच में हमें जीत मिली। अश्विनीप ने मैच में कुल 3 विकेट चटकाए, डेथ ओवरों में उनके यॉर्कर सबसे खास थे। इसके अलावा कप्तान ने जीत की नींव रखने वाली बल्लेबाजी की भी तारीफ की, खासकर अभिषेक शर्मा के 69 रन, ईशान किशन के 37 रन और आखिर में प्रिंस यादव की 13 रन की छोटी की। अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की तारीफ करने के साथ-साथ अख्यर ने ये भी कहा कि वेस्टइंडीज जैसी टीम को आप कभी हल्के में नहीं ले सकते। इसलिए हम कभी भी लापरवाह नहीं हो सकते थे। ये मैदान हार्ड स्कोरिंग था, लेकिन यह जरूरी है कि हम अपनी प्रक्रिया और रूटीन पर टिके रहें और आक्रामक बने रहें।



गेंदबाज और बेहतर कर सकते : कप्तान शाई होप - वहीं दूसरी तरफ मैच हारने वाले वेस्टइंडीज टीम के कप्तान शाई होप ने कहा कि गेंदबाज और बेहतर कर सकते थे। हमने कुछ गेंदबाजों को भी इसका श्रेय जाता है, उन्होंने बहुत अच्छी गेंदबाजी की और हमें दिखाया कि यॉर्कर कैसे फेंकते हैं। सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को - दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा मैच 14 अक्टूबर को हैदराबाद में खेला जाएगा। ये मैच दोनों ही टीमों के लिए अहम होगा, क्योंकि अगर इस मैच को भारत जीत जाता है तो वो सीरीज जीत जाएगा और अगर ये मैच मेहमान टीम जीतने में सफल होती है तो वो सीरीज बराबर करने में सफल हो जाएगी। जिसकी वजह से सीरीज का पांचवां और अंतिम मैच सीरीज डिसाइडर मैच बन जाएगा।

नमनधीर का शानदार प्रदर्शन, 2 विकेट लिए

मैच की बात करें तो टॉस हारकर भारत ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 223 रन बनाए, जिसमें सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की 30 गेंद में पांच छकों और छह चौकों की मदद से 69 रनों की शानदार पारी शामिल है। इसके अलावा ईशान किशन (37 रन, 18 गेंद, छह चौके, एक छक्का) के साथ दूसरे विकेट के लिए 108 रन जोड़कर भारत को बड़े स्कोर की नींव रख दी थी। वेस्टइंडीज की तरफ से रोस्टन वेस, शमर जोसेफ और शमर स्पिंगर दो-दो विकेट लेने में सफल रहे, जबकि किमो पॉल और गुडाकेश मोंटी को एक-एक मिला। भारत के 224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की टीम 7 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। जिसमें शिमरोन हेटमायर (43 रन, 26 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और कामिल पुरन (42 रन, 27 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) की उम्दा पारियां शामिल थीं। इसके अलावा शमर स्पिंगर (11 गेंद में नाबाद 35, चार छक्के, दो चौके) ने अंत में तूफानी पारी खेली लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। भारत की ओर से अर्शदीप ने 44 रन पर तीन वॉकेंड नमन धीर ने 39 रन पर दो विकेट चटकाए।

पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्राँ मिला

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को डेनमार्क ओपन में कठिन ड्राँ मिला है। मंगलवार से डेनमार्क के ओडेंस में शुरू होने जा रहे इस टूर्नामेंट में सिंधु का पहला मैच दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी और मौजूदा चैंपियन एन से-यंग से होगा। 2 बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु एन के खिलाफ पिछले 10 मैच हार चुकी हैं। उनके अलावा, मॅस सिंगल्स में लक्ष्य सेन के सामने तीसरी वरीयता प्राप्त चाउ तिएन चैन की चुनौती होगी। सिंधु 2 दिन पहले आर्बर्टिक ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल से हारकर बाहर हो गई थीं।

सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन जीता था - पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने जुलाई में जापान ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी थीं। सिंधु ने फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मुकाबला करीब 50 मिनट तक चला था।

लक्ष्य को चाउ से पार पाना होगा - एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है। लक्ष्य इस साल दूसरी बार ओल इंडिया चैंपियनशिप के उपविजेता रहे। 2022 में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। 2024 में ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इकलौते पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे पीट की चोट से परेशान हैं हैं। आयुष और श्रीकांत भी मैदान में - आयुष शंटी अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने 2025 में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने तत्कालीन दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुखिवां बटेरी थी। उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में अल्वी ने आयुष को हराया

लक्ष्य को चाउ से पार पाना होगा - एशियाड में खराब प्रदर्शन के बाद लक्ष्य सेन अपनी फॉर्म हासिल करना चाहेंगे। पिछले 2 साल में उनका प्रदर्शन अप-डाउन होता रहा है। लक्ष्य इस साल दूसरी बार ओल इंडिया चैंपियनशिप के उपविजेता रहे। 2022 में भी वे इस टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचे थे। 2024 में ओलंपिक सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लक्ष्य भारत के इकलौते पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी हैं। वे पीट की चोट से परेशान हैं हैं। आयुष और श्रीकांत भी मैदान में - आयुष शंटी अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे। उन्होंने 2025 में यूएस ओपन सुपर 300 का खिताब जीता था। इस साल विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने तत्कालीन दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी शी यूची को हराकर सुखिवां बटेरी थी। उनका सामना इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से होगा। विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में अल्वी ने आयुष को हराया



था। किदांबी श्रीकांत का मुकाबला फांस के अर्नोड मर्कल से होगा। महिला सिंगल्स में पांच भारतीय - भारत की महिला सिंगल्स चुनौती में ताची शर्मा, अस्मिता चालिहा, देविका सिन्हा और उन्नति हूडा भी शामिल हैं। ताची का पहले दौर में जापान की नात्सुकी निदाइरा से मुकाबला होगा। उन्होंने अगस्त में ताइपे ओपन जीतकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था। अस्मिता का सामना बुल्गारिया की कलियोना नलबांतवा से होगा। अस्मिता की अगस्त में कोरिया मास्टर्स सुपर 300 जीतकर टूर-लेवल चैंपियन बनी थीं। देविका के सामने थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोनेपावी क्राटर फाइनल तक पहुंचने में पिछले साल की खिलाफ खेलेंगी। सात्विक-चिराग से वापसी की उम्मीद - पुरुष डबल्स में पूर्व दुनिया की नंबर-1 जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी

वापसी करना चाहेंगे। एशियाई खेलों में यह जोड़ी पहले दौर में चौकाने वाली हार के साथ बाहर हो गई थी। भारतीय जोड़ी ने मई में सिंगापुर ओपन सुपर 750 का खिताब जीता था। इससे उनका दो साल से चला आ रहा खिताबी सूखा खत्म हुआ था। इसके बाद उन्होंने पिछले साल चैंडाना मास्टर्स का खिताब भी जीता। पांचवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग का पहले दौर में चीन के हे ज़ी लिंग और रैन शियांग यू से मुकाबला होगा। ट्रीसा-गायत्री पर भी नजर - महिला डबल्स में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद भारत की चुनौती की अगुआई करेंगी। इस जोड़ी ने अगस्त में विश्व चैंपियनशिप में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीता था। एशियाई खेलों में दोनों क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में पिछले साल मलेशिया की पियली टैग और थिनाह मुरलीधरन ने हराया था। डेनमार्क ओपन में ट्रीसा और गायत्री का पहले दौर में चीनी ताहपे की यान फेंग चैन और व्हिएट पेइ शान से मुकाबला होगा।

पाकिस्तान टी-20 में अपना दूसरा 100 मीटर स्केटिंग में 12 वर्षीय बच्ची का कमाल

सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता

श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96



था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शनाका की गेंद पर महेश तीक्ष्णा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा।

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। मुंबई की एक बारह साल की बच्ची ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है। अदिति मांजरेकर ने 'इनलाइन स्केट्स बैकवर्ड कैटेगरी' में सबसे तेज 100 मीटर की दूरी तय करके रिकॉर्ड बनाया। उसने यह कारनामा सिर्फ 17.96 सेकंड में कर दिखाया। कड़ी मेहनत से मिली सफलता - पूर्वी मुंबई के उपनगर भांडुप में रहने वाले बच्ची के पिता, प्रसाद मांजरेकर ने मीडिया से खास बातचीत में बच्ची की सफलता का श्रेय अपनी बेटी की कड़ी मेहनत और लगन को दिया। उन्होंने कहा कि बच्ची ने रिकॉर्ड बनाने के लिए बहुत मेहनत की और कड़ी ट्रेनिंग ली। उसकी इस उपलब्धि से घर में खुशी का माहौल है। प्रसाद ने ये भी कहा, 'हम भविष्य में स्केटिंग में और भी बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए अदिति का हौसा बढ़ाते रहेंगे। मैं उसे भारत का



प्रतिनिधित्व करते हुए देखना चाहता हूँ।' वहीं अदिति ने कहा कि वह अपने माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही यह उपलब्धि हासिल कर पाई है। उसने कहा, 'मैंने जो दृढ़ संकल्प दिखाया, उसने कहा, 'मैंने जो हासिल किया है,

वह मेरे माता-पिता और शिक्षकों के सहयोग से ही संभव हो पाया है। मैं देश का नाम रोशन करना चाहती हूँ, भविष्य में, मैं देश के लिए खेलना चाहती हूँ।' पिता एक कैफे चलाते हैं - ये भी उल्लेखनीय है कि अदिति बहुत साधारण परिवार से आती है। उसके पिता एक कैफे चलाते हैं। उसने अपने कैफे के सामने ही एक स्केटिंग कोच से ट्रेनिंग ली। शुरू में उसके माता-पिता को लगा कि वह हार मान लेगी, उन्हें अंदाजा नहीं था कि वह इतनी लगन दिखाएंगी और रिकॉर्ड बनाएंगी। उसने हर दिन दो से ढाई घंटे प्रैक्टिस की और पिछले तीन सालों में 26 मेडल जीते। अदिति ने इस खास लिस्ट में जगह बनाने के लिए कर्नाटक के बेलगागा में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए कोशिश की। प्रसाद ने कहा, 'उस समय हममें से कोई भी उसके साथ नहीं था। रिकॉर्ड बनाने में उसने जो दृढ़ संकल्प दिखाया, उस पर हमें सचमुच गर्व है।

फ्रीडा पिंटो ने दी करियर बदलने की सलाह



हरलीन सेटी के एक्टिंग करियर की शुरुआत डांस से हुई। वह डांस करती थीं और सिखाती भी थीं। इसी दौरान उनकी मुलाकात 'स्लमडॉग मिलेनियर' फेम अभिनेत्री फ्रीडा पिंटो से हुई। फ्रीडा ने हरलीन से डांस की कुछ पर्सनल वलासेस ली थीं। इसी दौरान उन्होंने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा।

फ्रीडा उस वक़्त फिल्म 'डैजर्ट डॉसर्स' की तैयारी कर रही थीं। उन्हें अपने बॉडी मूवमेंट और

परफॉर्मेंस पर काम करना था। इसके लिए उन्होंने हरलीन से ट्रेनिंग ली। बातचीत में हरलीन ने बताया, 'जब मैं डांस इंस्ट्रक्टर थी और डांस सीखती और सिखाती थी, तब फ्रीडा पिंटो ने मेरे साथ कुछ क्लासेस की थीं। वह डांस और परफॉर्मेंस सीखना चाहती थीं। उन्हें अपनी बॉडी में थोड़ी एजिलिटी लानी थी। वह फिल्म 'डैजर्ट डॉसर्स' करने जा रही थीं। इसलिए उन्होंने मेरे साथ पर्सनल ट्रेनिंग ली। हमने उनकी बॉडी मूवमेंट और फ्लूइडिटी पर काम किया।'

फ्रीडा की बात आज भी याद है

इसी दौरान फ्रीडा ने हरलीन से एक्टिंग में आने के बारे में पूछा। हरलीन के लिए यह बात खास थी, क्योंकि उस वक़्त उन्होंने एक्टिंग को लेकर कोई प्लान नहीं बनाया था।

हरलीन ने कहा, 'फ्रीडा पिंटो उन पहले लोगों में से थीं, जिन्होंने मुझसे कहा कि तुम एक्टिंग क्यों नहीं करती? जब वह मुझसे डांस सीखती थीं, तो मैं उन्हें परफॉर्म करके दिखाती थी कि ऐसे करना है, ये करो। इसी वजह से हमारी अच्छी बॉन्डिंग हो गई थी। वह और उनकी बहन शायना बहुत स्वीट हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूँ। हम साथ

में काम किया करते थे।'

मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी

हरलीन उस समय एक्टिंग के बजाय डायरेक्शन में जाना चाहती थीं। उन्होंने बताया, 'मैं डायरेक्टर बनना चाहती थी। मैंने एडवर्टाइजिंग में स्पेशलाइज किया था। मुझे हमेशा से पता था कि मुझे परफॉर्मिंग आर्ट्स में कुछ करना है। लेकिन बचपन से यह तय नहीं था कि आखिर करना क्या है। फिर मुझे लगा कि शायद मैं डायरेक्शन करूंगी। डायरेक्टर एक्टर्स का कैप्टन होता है। तो मैंने सोचा कि मैं वहीं से अपनी जर्नी शुरू करती हूँ फिर मैंने बहुत सारी एड फिल्में करना शुरू कीं। वहां से मेरी जर्नी एक्चुअली शुरू हुई 'बिहाइंड द कैमरा'।

इन प्रोजेक्ट्स में दिखी हरलीन

बता दें कि करीब 13 साल के एक्टिंग सफर में हरलीन 'ब्रोकन बट ब्यूटीफुल', 'कोहरा', 'सुल्तान ऑफ़ दिल्ली', 'बी हैप्पी' और 'शक: दस्ट नो वन' जैसे प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं।



प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डॉट ट्रबल द ट्रबल' को दिया अपना समर्थन

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने फहाद फासिल की तेलुगु फिल्म 'डॉट ट्रबल द ट्रबल' को अपना समर्थन दिया है। इस फिल्म को एसएस कार्तिकेय ने प्रोड्यूस किया है और एसएस राजामौली ने इसे पेश किया है। जैसे ही फिल्म ने 2 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की, अभिनेत्री ने पूरी टीम को शुभकामनाएं दी। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया और लिखा, 'इसे दुनिया के सामने आते देखकर बहुत खुशी हो रही है! कार्त, तुम्हें और 'डॉट ट्रबल द ट्रबल' की पूरी टीम को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।



क्या है फिल्म की कहानी

'डॉट ट्रबल द ट्रबल' में फहाद फासिल ने सूरी नाम के एक जादूगर का रोल किया है। उसकी दोस्ती सारा पालेकर नाम की एक युवा लड़की से हो जाती है। कहानी में एक फैंटेसी मोड़ तब आता है, जब उस लड़की में अलौकिक शक्तियां आ जाती हैं। पता चलता है कि वह एक ज़िन्न है जो इच्छाएं पूरी कर सकती है। यह फिल्म शशांक येलेटी के निर्देशन में बनी पहली फिल्म है। 'एनिमल' फिल्म के कलाकार सौरभ सचदेवा ने भी इसमें

अहम भूमिका निभाई है। इस फिल्म में फैंटेसी, एडवेंचर है। इसे परिवार के साथ देखने लायक बनाया गया है।

'वाराणसी' में प्रियंका

वहीं, प्रियंका चोपड़ा जोनास एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी वापसी की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू रुद्र के रोल में, प्रियंका चोपड़ा जोनास मंदाकिनी के रोल में और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे। राजामौली ने बताया है कि कहानी वाराणसी से शुरू होकर अंटार्कटिका, अफ्रीका और प्राचीन रोम तक जाएगी और फिर वापस अपनी शुरुआती जगह पर लौटेगी।

संदीपा धर ने आतिश कपाड़िया को दिया कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय

मुंबई नेटवर्क की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिल्कुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार इंसान हैं। उसे अपने एक्शन से ही कॉमेडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का खयाल भी रखना था कि उसके एक्शन बनावटी न लगे। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।



किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं हो

अभिनेता-निर्देशक कुणाल खेमू की फिल्म 'वाइब' का प्रदर्शन सिनेमाघरों में संतोषजनक नहीं रहा। एक बातचीत के दौरान एक्टर ने 'पैन-इंडिया' टैग के बारे में बात की। इसके साथ ही 'हनुमान अंश' के बारे में भी काफी कुछ कहा। कुणाल खेमू ने बातचीत में विशाल चतुर्वेदी द्वारा निर्देशित 'हनुमान अंश' पर भी चर्चा की। महज 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने 400 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया। इस पर एक्टर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह सिर्फ अखिल भारतीय फिल्म है, यह एक अखिल अंतरराष्ट्रीय फिल्म बन गई है। दुनिया भर में हर कोई इस फिल्म को देख रहा है।' उन्होंने आगे अपनी बात को

समझाते हुए कहा कि किसी फिल्म को 'पैन-इंडिया' बनाने का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। उनके अनुसार, यह टैग काफी हद तक एक व्यापारिक शब्द है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि फिल्म अलग-अलग क्षेत्रों में कैसा प्रदर्शन करती है। आगे अपनी बातचीत में कुणाल ने कहा, 'यही हमें उम्मीद देता है। एक कलाकार का सफर कई बार दिल टूटने, आश्चर्यों और चुनौतियों से भरा होता है। इसलिए, अंत में यह सब देखना वाकई दिल को छूने वाला, उत्साहवर्धक और आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं जो पूरी तरह से कहानी पर आधारित होती हैं और दर्शकों को पसंद आती हैं, और यही बात बहुत मायने रखती है। वे तथाकथित मानदंडों या सफल फिल्म बनाने के किसी तय फॉर्मूले से निर्देशित नहीं होती।

पहले टीवी इंडस्ट्री में नकारात्मक किरदार को बिल्कुल बुरा दिखाते थे

अभिनेत्री रावी गुप्ता इन दिनों लोकप्रिय सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के दूसरे सीजन में 'दामिनी' (गौतम विरानी की पत्नी) के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि पहले की तुलना में आज काम करने का तरीका पूरी तरह से बदल गया है। उन्होंने बातचीत में कहा कि पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्री बहुत तेजी से बढ़ी है और मुझे लगता है कि आगे भी बढ़ती रहेगी। उन्होंने कहा, 'इंडस्ट्री में बदलाव आगे भी जारी रहेगा, खासकर तकनीक के मामले में। अगर मैं 'क्योंकि सास भी बहू की तुलना-2' की तुलना पहले शो से करूँ, तो दोनों की तकनीक में जमीन-आसमान का फर्क है। अभिनेत्री ने अपने किरदार पर बात करते हुए कहा, 'मेरा किरदार खुद ही एक सरप्राइज है। लोगों को लगा था कि दामिनी निगेटिव होगी, क्योंकि पिछले सीजन में मैंने निगेटिव रोल किया था। सबको लगा कि वह कुछ गलत करेगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। असल में वह एक आम औरत है, जिसकी अपनी परेशानियां हैं। वह ज्यादा ड्रामा नहीं करती और यही इस किरदार को खास बनाती है।'

अभिनेत्री ने बताया कि पहले के मुकाबले अब उन्हें डेली सोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा, 'पहले के समय में निगेटिव रोल को बिल्कुल बुरा ही दिखाते थे, जैसे कि उनमें कुछ अच्छा है ही नहीं और उनकी हर चीज को बड़ा-चढ़ाकर दिखाया जाता था। खासकर महिलाओं के मामले में, अगर किरदार पोजिटिव है, तो उसे देवी बना दिया जाता था, लेकिन अब मुझे बदलाव नजर आ रहा है। डेली सोप में भी अब किरदारों में गहराई देखने को मिल रही है, जो कि अच्छा बदलाव है।' उन्होंने आगे कहा, 'एक समय था जब डेली सोप को लेकर सोच बन गई थी कि महिलाओं को हमेशा दबा हुआ दिखाया जाता था। उन्हें तभी अच्छा माना जाता था, जब वह परिवार के लिए कुर्बानी दें। असल, जीवन में इस तरह का दिखावा महिलाओं को पीछे धकेल सकता है। अब मैं देख रही हूँ कि किरदार कैसे बदल रहे हैं। अब डेली सोप में महिलाओं को घरेलू हिंसा और मैरिटल रेप जैसे मुद्दों पर बात हो रही है, जो कि बहुत जरूरी है और ऐसे मुद्दे समाज में बहुत बड़ा असर भी छोड़ रहे हैं।'



विजय से सेट पर बहुत कुछ सीखती हूँ

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना जल्द ही अपने पति विजय देवरकोंडा के साथ आगामी ड्रामा फिल्म 'रणबाली' में नजर आएंगी। शादी के बाद यह दोनों की पहली बड़ी फिल्म होगी, जिसमें वे साथ स्क्रीन साझा करेंगे। बुधवार को रश्मिका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'आस्क मी एनीथिंग' सत्र आयोजित किया। इस दौरान एक प्रश्नकर्ता ने उनसे विजय देवरकोंडा के साथ काम करने का अनुभव पूछा। इस पर 'एनिमल' फेम अभिनेत्री ने कहा कि विजय के साथ काम करना हमेशा मजेदार रहता है, लेकिन काम के मामले में वह बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनके साथ काम करते हुए हमेशा बहुत कुछ सीखने को मिलता है। एक इंस्टाग्राम यूजर ने लिखा, 'हाय मैम, रणबाली के सेट पर विजय सर के साथ काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा?' इसके जवाब में रश्मिका ने कहा, 'हमेशा बहुत सारा मजा आता है, लेकिन अगर गंभीरता से कहूँ तो वह सेट पर अपने काम को लेकर बेहद समर्पित और गंभीर रहते हैं, जैसा कि आप सभी जानते हैं। हमेशा की तरह मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है।' इससे पहले 'रणबाली' के निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने खुलासा किया था कि उन्होंने फिल्म में रश्मिका के किरदार का नाम अपनी माँ के नाम पर रखा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'जब मैं 'रणबाली' लिख रहा था, तब इसकी दुनिया के हर छोट-बड़े

विवरण ने मुझे यादों में पहुँचा दिया। जब मैंने महिला नायिका का किरदार लिखा, तो मैंने उसे कुछ बहुत निजी चीज दी, मैंने उसे अपनी माँ का नाम दिया।' उन्होंने आगे कहा, 'उसके हर भाव और अनुभव को लिखते समय मैंने पूरा ध्यान रखा कि वह ऐसी महिला बने, जो आज की महिलाओं को भी प्रेरित कर सके, भले ही वह किसी दूसरे दौर की पात्र हो।' इस बीच, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा 'रणबाली' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए निर्देशक राहुल सांकृत्यायन ने अपनी टीम का एक वीडियो साझा किया और लिखा, '130 दिनों की इस शानदार यात्रा का समापन हो गया। मेरी अथक और ऊर्जावान टीम का धन्यवाद।'



जेएनयू में छात्राओं के साथ कथित यौन उत्पीड़न मामले को लेकर दीव में भाजपा ने निकाली विरोध रैली

■ मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ सख्त कार्रवाई की उठाई मांग



प्रभारी वहां दोश्री, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश महामंत्री जिनेश पटेल के मार्गदर्शन में दीव जिला भाजपा अध्यक्ष मोहन लकमणे के नेतृत्व में विरोध रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान से जुड़े इस गंभीर मामले में न्याय की मांग की गई। साथ ही मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की गई। महिलाओं पर अत्याचार के मुद्दे पर कांग्रेस के दोहरे रवैये का कड़ा विरोध किया। कार्यकर्ताओं और नेताओं ने नारे लगाए और निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की पुर्जोर मांग की गई। इस विरोध प्रदर्शन रैली में दीव जिला एवं प्रदेश भाजपा पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चा एवं मंडलों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, चुने हुए जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे।



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 12 अक्टूबर। जेएनयू में छात्राओं के साथ हुए कथित यौन उत्पीड़न मामले को लेकर आज दीव में भाजपा द्वारा विरोध रैली निकालकर मणिपुर के कांग्रेस सांसद और जेएनयू के प्रोफेसर डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दीव-दमण की भाजपा

दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने शिवम मित्र मंडल के नवरात्रि महोत्सव में पहुंचकर मां अंबे का लिया आशीर्वाद

■ दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, भेंसलोर सरपंच सविता पटेल एवं शिवम मित्र मंडल के पदाधिकारियों की रही उपस्थिति



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। दुनेठा के शिवम कॉम्प्लेक्स में हर वर्ष की तरह इस वर्ष शिवम मित्र मंडल द्वारा धूमधाम से नवरात्रि महोत्सव मनाया जा रहा है। शिवम मित्र मंडल द्वारा अंबे माता की प्रतिमा

स्थापित की गई है। दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने शिवम मित्र मंडल के नवरात्रि महोत्सव में पहुंचकर मां अंबे का आशीर्वाद लिया। इस मौके पर दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, भेंसलोर सरपंच सविता पटेल एवं

शिवम मित्र मंडल के अध्यक्ष कमलेश पटेल, उपाध्यक्ष राजेन्द्र कोकोटे, सचिव कवीर माहापत्रा, उपसचिव विजय बागल, ट्रेजरर राकेश खेडकर, वाइस ट्रेजरर निलेश पारिख सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

होली ट्रिनिटी सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी स्कूल दमण के तीन विद्यार्थियों ने इंटर स्कूल प्रतियोगिता में हासिल किया प्रथम स्थान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 अक्टूबर। होली ट्रिनिटी सेकेंडरी और हायर सेकेंडरी स्कूल दमण के विद्यार्थियों ने खेल के क्षेत्र में शानदार परफॉर्म करके स्कूल का नाम रोशन किया है। खेल विभाग की ओर से आयोजित इंटर-स्कूल प्रतियोगिता में स्कूल के तीन टैलेंटेड स्टूडेंट्स ने अपनी स्पोर्ट्स स्किल्स, कड़ी मेहनत और कॉन्फिडेंस के दम पर पहली जगह हासिल करके सफलता हासिल की है। इंटर स्कूल के बाद इन बच्चों ने यूटी लेवल पर अपनी सफलता प्राप्त की और ये बच्चे अभी नेशनल लेवल पर अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता



में कक्षा 6-ए के विद्यार्थी कुदरत भाटिया ने अंडर-14 बैडमिंटन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल की। जबकि कक्षा 8-ए के विद्यार्थी आरवी प्रशांतकुमार देसाई और वंश चेतन राठौड़ ने अंडर-14 कराटे प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया। तीनों विनिंग

स्टूडेंट्स ने यह सफलता अपने टैलेंट, रेगुलर प्रदाई, अनुशासन और लगातार कड़ी मेहनत से हासिल की है। उनकी यह कामना की। स्कूल परिवार ने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करके स्कूल और दमण का नाम रोशन करते रहेंगे।

प्रिंसिपल, टीचर्स और स्कूल परिवार ने सभी जीतने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की भी कामना की। स्कूल परिवार ने उम्मीद जताई कि विद्यार्थी भविष्य में भी इसी तरह अच्छा प्रदर्शन करके स्कूल और दमण का नाम रोशन करते रहेंगे।

विकसित भारत के संकल्प के साथ घोघला के मीठाबावा समुद्र तट पर चलाया गया स्वच्छता अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 12 अक्टूबर। दीव के घोघला में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने और समाज में स्वच्छता का संदेश फैलाने के उद्देश्य से मीठाबावा समुद्र तट पर एक विशेष सफाई अभियान का आयोजन किया गया। इस सफाई अभियान के तहत घोघला श्री समस्त जनरल खारवा समाज के प्रमुख रविभाई सोलंकी, समाज पूर्व प्रमुखों, समाज के वरिष्ठ नेताओं और स्थानीय मछुआरे भाइयों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। सभी



नागरिकों ने एक साथ मिलकर समुद्र तट की सफाई की और पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। इस विशेष अभियान के माध्यम से समुद्री पर्यावरण की रक्षा करने, समुद्र

तटों को कचरा मुक्त रखने और आम जनता में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया गया। इसके साथ ही उपस्थित नेताओं और समाज के लोगों ने यह संदेश भी दिया कि

एक स्वच्छ और विकसित भारत के निर्माण में देश के प्रत्येक नागरिक की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस सामूहिक प्रयास की स्थानीय स्तर पर काफी सराहना की जा रही है।



CONSULADO-GERAL DE PORTUGAL

MISSÃO CONSULAR / CONSULAR CAMP

NOVEMBRO / NOVEMBER 2026

Damão/Daman	24th to 27th Nov
Diu	30th Nov to 04th Dec
Bombaim/Mumbai	07th & 08th Dec

Para mais informações contacte /
For more information contact: consulado.goa@mne.pt



REPÚBLICA PORTUGUESA

NEGÓCIOS ESTRANGEIROS



PORTUGAL

United Nations Security Council

2027/2028

PREVENT PARTNER PROTECT

सिलवासा के नटराज होटल बार एंड रेस्टोरेंट में मिला युवती का शव: हत्या किये जाने की आशंका

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 12 अक्टूबर। सिलवासा के चार रास्ता के पास स्थित नटराज होटल बार एंड रेस्टोरेंट में एक युवती की हत्या का मामला सामने आने से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतका की पहचान जयश्री के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 35 साल है, जो महाराष्ट्र की रहने वाली मूल निवासी बताई जा रही है और गुजरात के संजान कतलवाड़ में रहती थी। शुरुआती जानकारी के अनुसार जयश्री ने अपने प्रेमी के साथ 10 अक्टूबर को होटल का कमरा बुक किया था। आरोप है कि इसके बाद उसके प्रेमी ने उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। हैरान करने वाली बात यह है कि कमरे से बंदबू आने के बाद इस घटना का पता चला। इसके बाद होटल प्रबंधन की ओर से पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिलवासा थाना प्रभारी

■ सिलवासा पुलिस और एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर शुरु की जांच



जुटाकर जांच शुरू की गई। इस घटना ने एक बार फिर होटलों में सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ साल पहले इसी नटराज होटल से भी इस तरह की घटना सामने आई थी। वहीं नरोली स्थित पुष्पक होटल में भी हत्या जैसी घटनाएं सामने आ चुकी है। लगातार इस तरह की घटनाओं की चर्चा के बीच सवाल उठता है कि आखिर होटलों में सुरक्षा व्यवस्था और सौंदर्य गतिविधियों की निगरानी को और मजबूत करने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए? फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी है। फरार आरोपी की तलाश, हत्या के पीछे की वजह और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं पर जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

पीएसआई विशाल पटेल अपनी एफएसएल की टीम को भी मौके टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पर बुलाया गया, जहां जरूरी साक्ष्य

संघ प्रदेश श्रीडी के प्रदूषण नियंत्रण समिति ने औद्योगिक क्षेत्रों में चलाया स्वच्छता अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 12 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा स्वच्छ उद्योग, स्वच्छ पर्यावरण अभियान के अंतर्गत 11 अक्टूबर 2026 को औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य औद्योगिक परिसरों में स्वच्छता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व तथा सतत एवं बेहतर हाउसकीपिंग प्रथाओं को बढ़ावा देना था। इस अभियान में लगभग 100 औद्योगिक इकाईयों ने उत्साहपूर्वक एवं सक्रिय रूप से भाग लिया। सहभागी औद्योगिक इकाईयों द्वारा अपने औद्योगिक परिसरों के भीतर तथा परिसर के आसपास के क्षेत्रों में व्यापक साफ-सफाई एवं हाउसकीपिंग गतिविधियां संचालित की गईं। इस दौरान जमा कचरे एवं अन्य अपशिष्टों को हटाने, उचित अपशिष्ट प्रबंधन, परिसर की स्वच्छता में सुधार तथा आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यकर बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया गया। इस पहल का उद्देश्य औद्योगिक प्रतिष्ठानों के बीच स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन की स्थायी संस्कृति विकसित करना है। प्रदूषण नियंत्रण समिति द्वारा सभी औद्योगिक इकाईयों से अपेक्षा की गई है कि वे स्वच्छता एवं उचित हाउसकीपिंग को अपनी नियमित पर्यावरण प्रबंधन गतिविधियों का अभिन्न हिस्सा बनाएं। प्रदूषण नियंत्रण समिति सभी सहभागी औद्योगिक इकाईयों द्वारा प्रदर्शित सक्रिय



सहयोग एवं उत्साह की सराहना करती है। समिति सभी उद्योगों से आह्वान करती है कि वे इस अभियान की भावना को निरंतर बनाए रखते हुए अपने परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से स्वच्छता सुनिश्चित करें तथा

स्वच्छ, स्वस्थ एवं पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ औद्योगिक वातावरण के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। स्वच्छ उद्योग, स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में सामूहिक प्रयास ही एक स्वच्छ एवं स्वस्थ भविष्य की आधारशिला है।